नमूना प्रश्न पत्र का प्रारूप

सामाजिक विज्ञान १० एस.ए.II (2015-2016)

क्रम.संख्या	प्रश्नों का प्रारूप	प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
1	अति लघु उत्तरात्मक	1	8	8
2	लघु उत्तरात्मक	3	12	36
3	दीर्घ उत्तरात्मक	5	8	40
4	मानचित्र	3	2	6
	कुल अंक	-	30	90

क्रम.संख्या	इकाई संख्या	अंक
1	इतिहास	23
2.	भूगोल	23
3	राजनीतिक विज्ञान	22
4.	अर्थशास्त्र	22
	कुल	90

सहायक सामग्री

२०१५-१६संकलित परीक्षा II

Part- १

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

पाठ का मुख्य सारांश-1848 में फ्रांसीसी चित्रकार फ्रेडिक सारयू द्वारा अपने चित्रों की चार श्रृंखला में अपने सपनों के विश्व को लोकतांत्रिक व सामाजिक गणतंत्र के रूप में दर्शाया है। 19वीं शताब्दी के दौरान यूरोप के मानसिक और राजनैतिक दुनिया में बहुत से परिवर्तन हुए।

फ्रांस की क्रांति और राष्ट्र का विचार

१. **फ्रांस में राष्ट्रवाद का उदय** २. विभिन्न तरह के उपायों और अभ्यास ने फ्रांस के लोगों में एक साझी संस्कृति का विचार पनपा ३. नेपोलियन के उदय और सुधारों, क्रांतिकारियों ने यूरोप के लोगों को राष्ट्र बनाने में सहायता दी।

२. **यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय**-१. जर्मनी, इटली और स्विटजरलैंड राज्यों, डचीस और कैण्टनस में विभाजित थे इन भागों में उनके निरंकुश शासक थे। २. इंग्लैण्ड में औद्योगीकरण ने कार्यशील वर्ग और उदारवाद को जन्म दिया ३. नेपोलियन की पराजय के बाद यूरोप की सरकार ने रूढिवादिता को अपनाया। रूढिवादी शासक निरंकुश थे। क्रांतिकारियों ने उस समय अपनी आजादी और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। उदा. मैजिनी ने यंग इटली और यंग यूरोप बनाया।

३. **क्रांति का युग**-(1830-48) उदारवाद और राष्ट्रवाद , ब्रूसेल्स और ग्रीस में क्रान्तियॉ।, यूरोप में सांस्कृतिक आंदोलनों का विकास, भूख, कठिनाइयां और प्रसिद्ध विद्रोह, वैधानिक सुधारों की मांग और राष्ट्रीय एकीकरण स्त्रियों के अधिकार परिणाम-फ्रेंकफ्रर्ट संसद (1848)

४. **जर्मनी और इटली का एकीकरण**- जर्मनी और सेना की भूमिका , विस्मार्क और उसकी नीति, जर्मनी का एकीकरण , इटली का एकीकरण- मैजिनी, गैरीवाल्डी और विक्टर इमानुएल का योगदान

ब्रिटेन की अलग और भिन्न स्थिति १६८८ की गौरवपूर्ण कान्ति, १७०७ का एक्ट ऑ यूनियन

५. **राष्ट्र की दृश्य कल्पना**- राष्ट्र को नारी रूपकों के रूप में चित्रण जैस मरियाना (फ्रांस) और जर्मेनिया (जर्मनी)

६. **राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद**- १९वीं शताब्दी के अन्त में राष्ट्रवाद ने संकुचित व सीमिति रूप बना, असहनशील बाल्कान बडी शक्तियों के बीच शत्रुता का कारण बना, राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद, प्रथम विश्व युद्ध) का कारण।

अतिलघु उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न. १ फ्रेडिक सारयू कौन था?

एक चित्रकार

प्रश्न. २ रूमानीवाद था..............

सांस्कृतिक आंदोलन

प्रश्न.३ रूढिवादियों का दर्शन क्या था?

उन्होंने परंपराओं को महत्व दिया और रीति-रिवाज पर आधारित संस्थाओं की स्थापना पर जोर दिया

प्रश्न. ४ कांउट कावूर **कौन थे?**

इटली के मुख्यमंत्री

प्रश्न. ५ जर्मनी के एकीकरण के लिए किस राज्य ने नेतृत्व किया ?

पर्सिया

प्रश्न. ६ 1815 में वियना कांग्रेस की अध्यक्षता किसने की ?

डयूक मैटरनिख

प्रश्न. ७ 1815 की वियना संधि के मुख्य उद्दश्य क्या था ?

नेपोलियन युद्ध के दौरान यूरोप में हुए परिर्वतनों को रद्द करना

प्रश्न. ८ कौन सी संधि द्वारा यूनान को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता मिली ?

कुस्तुतुनिया की संधि

प्रश्न. ९ किस स्थान पर फ्रेंकफ्रर्ट की सभा हुई।

सेन्ट पॉल्स चर्च में

प्रश्न. १० किसने कहा- जब फ्रांस छींकता है तो पूरे यूरोप को जुकाम हो जाता है |

मैजिनी

प्रश्न. किसे एकीकृत इटली क प्रथम राजा घोषित किया गया था?

विक्टर इसानुएल

प्रश्न.१२ उस कानून का नाम बताएं जिसके परिणामस्वरुप संयुक्त ग्रेट ब्रिटेन का निर्माण हुआ था |

एक्ट ऑफ यूनियन १७०७

लघु उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न.१ राष्ट्र राज्य के विचार को स्पष्ट करिये।

उत्तर- अधिकांश नागरिकों ने साझा पहचान का विकास किया। इतिहास साझा किया। यह समानता नेताओं ओर लोगों के महान संघर्ष का परिणाम थी।

प्रश्न. २ फ्रांस के लोगों में समान रूप के भाव को दर्शाने के लिए क्या उपाय व प्रयास किए गए।

उत्तर- पितृभूमि और नागरिक का विचार फ्रांस के झंडे ने संयुक्त समुदाय के राष्ट्र को दर्शाया फ्रांस का नया झंडा, नए गाने बनाए गए केन्द्रीयकृत प्रशासन, आंतरिक कस्टम ड्यूटी हटा दी गई।

प्रश्न. ३ वियना कांग्रेस के निर्णयों को स्पष्ट करिए।

उत्तर- बूर्वो वंश को पुन फ्रांस में स्थापित किया, फ्रांस की सीमा पर नए राज्यों के बैठाया, प्रशिया को नए साम्राज्य के रूप में महत्व, उत्तरी इटली पर आस्ट्रिया का नियंत्रण, रूस को पौलेण्ड का भाग दिया गया

प्रश्न. ४ यूरोप में 1830 का वर्ष बहुत आर्थिक कठिनाइयों का वर्ष क्यों था?

उत्तर-जनसंख्या वृद्वि , बेरोजगारी , प्रवास मूल्य वृद्वि , बाजार में कड़ी प्रतियोगिता, किसानों की दुर्दशा।

प्रश्न. ५ बाल्कान में राष्ट्रीय तनाव क्यों पैदा हुआ?

उत्तर- जातीय भिन्नता, राष्ट्रवाद का उदय, ऑटोमन साम्राज्य का विघटन के कभी स्वतंत्र राष्ट्र थे ऐसा दावा इतिहास द्वारा सि) किया गया विवादों के क्षेत्र, आपसी ईर्ष्या यह मामला और उलझनपूर्ण बन गया जब बाल्कान बडी शक्तियों के बीच दुश्मनी का कारण बना

प्रश्न. ६ यूनान के स्वतंत्रा संघर्ष को स्पष्ट करिए

उत्तर-15वीं शताब्दी से यूनान ऑटोमन साम्राज्य का भाग था, यूरोप में क्रांतिकारी राष्ट्रवादियों के उदय ने स्वतंत्रता संघर्ष को चिंगारी दी व कलाकारों ने जनमत को बनाया व उनके संघर्ष को अपना सहयोग दिया। कुस्तुनतुनिया 1832 की सन्धि द्वारा यूनान एक स्वतंत्र राष्ट्र बना |

प्रश्न ७. १८०४ के नेपोलियन संहिता के मुख्य प्रावधान क्या थे?

उत्तर- जन्म आधारित विशेषाधिकार समाप्त किये गए, सामंती व्यवस्था एवं भू-दासत्व तथा जागीरदारी शुल्कों से मुक्ति दिलाई,शहरों से श्रेणी संघ के नियंत्रण समाप्त किये,परिवहन एवं संचार व्यवस्था मजबूत की, एक समान मानक माप तथा तौल एवं एक राष्ट्रीय मुद्रा प्रारंभ की |

प्रश्न ८. १८१५ के नए रूढ़िवाद से क्या समझते हैं ?

उत्तर- नयी रूढिवाद क्रांति से पूर्व स्थिति में वापस नहीं जाना चाहती थी| उनका मानना था की आधुनिकीकरण वास्तव में राजतन्त्र जैसी पारंपरिक संस्थाओं को मजबूत करेगी | आधुनिक सेना, कुशल नौकरशाह गतिशील अर्थव्यवस्था, सामंतवादी व्यवस्था का अंत राजतन्त्र के लिए आवश्यक है |

प्रश्न ९. १८वीं शताब्दी के प्रारंभ में विकसित हुई उदार राष्ट्रवाद के संकल्पना की व्याख्या करें |

उत्तर- राजनीतिक उदारवाद: व्यक्ति की आजादी एवं कानून के समक्ष बराबरी, संविधान एवं संसदीय प्रतिनिधित्व के पक्षधर, संपत्तिवान पुरुषों को मताधिकार तथा सम्पत्तिविहींन एवं महिलाओं के मताधिकार के पक्षधर नहीं थे | **आर्थिक उदारवाद:** स्वतंत्र बाज़ार, सामानों के आदान-प्रदान में राज्य के नियंत्रण की समाप्ति, शुल्क संघ की स्थापना, शुल्क अवरोध की समाप्ति एवं मुद्रा की संख्या में कमी |

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न. १उन तरीकों का वर्णन करो जिसके द्वारा जर्मनी का एकीकरण हुआ।

उत्तर-1848 में संविधानिक राजतंत्र की स्थापना का प्रयास असफल रहा। इसके बाद यह कार्य प्रशिया के मुख्यमंत्री बिस्मार्क द्वारा लिया गया उन्होंने रक्त और लौह नीति का पालन किया और सात वर्षों में डेनमार्क आस्ट्रिया और फ्रांस से तीन युद्ध किए ये राष्ट्र पराजित हुए। 1871 में जर्मनी के एकीकरण का कार्य पूरा हुआ और प्रशिया के राजा विलियम -1 को जर्मनी का सम्राट बनाया

प्रश्न. २ इटली के एकीकरण के विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर-1830 में जी मैजिनी ने इटली के एकीकरण करने के लिए यंग इटली नामक संस्था की स्थापना की प्रारंभिक जटिलताओं के बाद राजा विक्टर इमैनुएल –II ने युद्धद्वारा इटलो के राज्यों को एक करने का बीड़ा उठाया उन्हें मुख्यमंत्री कैवूर ने पूरा सहयोग दिया। उसने कूटनीति द्वारा फ्रांस के साथ 1859 में संधि की और आस्ट्रिया की सेना को हराया अब गैरीवाल्डी ने दक्षिणी इटली की ओर प्रस्थान किया और बुबो वंश से उन्हें मुक्त कराया। 1861 में एकीकरण के पूर्ण होने से पूर्व ही विक्टर इमैनुएल -II को संयुक्त इटली का राजा घोषित कर दिया गया।

प्रश्न. ३ "मेटरनिख के कथन" जब फ्रांस छींकता है तो सारे यूरोप को सर्दी हो जाती है " से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर-उसका मानना था फ्रांस में हो रही गतिविधियों का असर पूरे यूरोप पर पड़ता है सारे यूरोप में राष्ट्रवादी भावना फ्रांस की क्रांति के बाद ही फैली, स्वतंत्रता, समानता, भाईचारा की भावना क स्रोत फ्रांस ही है | फ्रांस से ही यूरोप के बुद्धिजीवियों के प्रेरणा के स्रोत हैं|

अतिरिक्त प्रश्न-

प्रश्न. १ 18वीं शताब्दी के मध्य में यूरोप की राजनीतिक स्थिति का वर्णन करिए।

प्रश्न.२ उदारवाद की किन्ही तीन विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.३ इटली के स्वतंत्रता आंदोलन में इटली के क्रांतिकारी ज्युसेपे मैत्सिनी के योगदान की भूमिका को स्पष्ट करिए।

प्रश्न.४ यूरोप में हुए 1848 के उदारवादी क्रांति के परिणामों का वर्णन करिए।

प्रश्न. ५ मैजिनी को सामाजिक व्यवस्था का सबसे बड़ा शत्रु क्यों बताया गया ?

प्रश्न.६ मरीऑन और जर्मीनिया क्या थे उनको जिस रूप में चित्रित किया उसका क्या महत्व था ?

मूल्यपरक प्रश्न :

१) यूरोप के राष्ट्रवादी आंदोलन में महिलाओं के योगदान का मूल्यांकन करें|

२) यूरोप में राष्ट्रवादी भावनाओं को विकसित करने में भाषा ने किसप्रकार योगदान दिया ?

३) औद्योगिकरण के विकास ने किसप्रकार यूरोप की सामाजिक एवं राजनीतिक स्थिति को बदल दिया?

पाठ- २

इंडो- चायना में राष्ट्रवादी आंदोलन

पाठ का मुख्य सार-

१. चीन के साए में आजादी- इंडो चायना, लाओस वियतनाम और कम्बोडिया से मिलकर बना है । ये चीन जैसे शक्तिशाली साम्राज्य की छत्रछाया में थे।

साम्राज्यवादी प्रभुत्व और उसका प्रतिरोध-फ्रांसीसियों ने उनके सैनिक और आर्थिक प्रभुत्व जमाया। वे वियतानामी संस्कृति को दुबारा आकार देना चाहते थे।

फ्रांस द्वारा साम्राज्यवाद की आवश्यकता-प्राकृतिक संसाधानों की आपूर्ति और असभ्य लोगों को सभ्य बनाने के लिए उन्होंने वियतनामी सरकार को बाध्य किया वे सुविधाओं का विकास करें जिससे उन्हें लाभ हो सके।

२. औपनिवेशिक शिक्षा की सुविधा-लोगों को सभ्य बनाना चीनी संस्कृति का प्रभाव फ्रांसीसी भाषा का प्रयोग, टोकन फ्रो स्कूल और पाश्चात्य शिक्षा और पश्चिमी शैली की शिक्षा स्कूलों में विरोध

३ साफ सफाई व बीमारी और रोजमर्रा प्रतिरोध-हनोई पर प्लेग का हमला हनोई के फ्रांसीसी आबादी वाले हिस्से को एक खूबसूरत और साफ सुथरे शहर के रूप में बनाया गया था। देशी बस्ती में कोई आधुनिक सुविधाएँ नहीं थी।

चूहों की पकड़-धकड़ और वियतनामी मजदूर- फ्रांसीसी सत्ता की सीमा

४. धर्म और उपनिवेशवाद विरोध-वियतनामी धाार्मिक विश्वास और उनके आंदोलन - यह बौद्ध धर्म, कम्प्यूशिसवाद और स्थानीय रीति रिवाजों पर आधारित थे। फ्रांसीसी मिशनरी वियतनामियों की आदत को सुधारना और ईसाई धर्म से परिचित करना चाहते थे।

1868 का स्कॉलर रिवोल्ट (विद्वानों का विद्रोह)- यह फ्रांसीसी कब्जे और ईसाई धर्म के प्रसार के खिलाफ आंदोलन था। 1939 में हो आंदोलन छुइन्ह फ् सो द्वारा शुरू हुआ।

५. **आधुनिकीकरण की संकल्पना**- फ्रांसीसी उपनिवेशवाद का विरोध, फान बोई चाउ की क्रांतिकारी समाज फान चू त्रिन्ह लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना करना चाहते थे। पूरब की ओर चलो चीन के विकास ने भी वियतनामी राष्ट्रवादियों को प्रेरित किया।

६. कम्यूनिस्ट आंदोलन और वियतनामी राष्ट्रवाद - वियतनाम पर 1930 के दशक की महामन्दी का प्रभाव। फरवरी 1930 में हो ची मिन्ह ने कम्यूनिस्ट पार्टी की स्थापना की, 1940 में जापान न वियतनाम पर कब्जा कर लिया वह दक्षिण पूर्व एशिया पर कब्जे करना चाहता था। अब राष्ट्रवादियों के जापानियों और फ्रांसीसियों से संघर्ष करना था। फ्रांसीसियों ने इंडोचायना पर फिर से अधिकार करना चाहा। वियतनाम का विभाजन देश की एकता के लिए कम्यूनिस्ट शक्ति को दबाने के लिए संयुक्त राज्य का युद्ध में प्रवेश।

७. **राष्ट्र और उसके नायक**-विद्रोही औरतों का योगदान,गुजरे जमाने के नायकों, औरतें शान्ति के समय औरतें कृषि कोऑपरेटिवों कारखानों और उत्पादन इकाइयों में काम किया।

<u>अति लघु उत्तरात्मक</u>

प्रश्न.१ टोंकन फ्रो स्कूल क्यों स्थापित किए गए?

वे पाश्चात्य शिक्षा उपलब्ध कराना चाहते थे।

प्रश्न.२ वियतनाम की अर्थव्यवस्था किस पर निर्भर करती है?

चावल और रबड़ बागानों

प्रश्न.३ हनोई में प्लेग के बाद फ्रांसीसियों ने कौन सा कदम उठाया?

चूहों को पकड़ना शुरू किया

प्रश्न. ४ कौन वियतनाम में लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना करना चाहते थे।

फ्रान चू त्रिन्ह

प्रश्न. ५ वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक कौन थे?

हो.ची मिन्ह

प्रश्न.६ **वियतनामयुद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका ने शामिल होने का निर्णय क्यों लिया?**

समाजवादियों ने अपनी शक्ति बढ़ा ली थी

प्रश्न. ७ टोक्यों में किसके द्वारा रेस्टोरेशन समाज की शाखा स्थापित की गई?

शिक्षकों द्वारा

प्रश्न.8 NLF से क्या तात्पर्य है?

नेशनल लिबरेशन फ्रंट

प्रश्न. ९ फ्रांस द्वारा ईसाई धर्म के प्रसार के विरोध में कौन सा आंदोलन चला

स्कालर रिवोल्ट

प्रश्न. १० किसने **वियतनाम में चीन का विरोध करने के लिए विशाल सेना का संगठन किया।**

ट्रंगबहनें

लघु उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न.१फ्रांसीसी वियतनाम के लोगो को क्यों शिक्षित करना चाहते थे? ऐसा करने के पीछे उनका भय क्या था?
उत्तर- वियतनामियों के सभ्य बनाकर वे स्थानीय श्रम शक्ति की आवश्यकता पूरा करना चाहते थे। लेकिन उन्हें भय था कि शिक्षित होने पर वे साम्राज्यवादी प्रभुत्व को लेकर प्रश्न करना शुरू कर देंगे। फ्रांसीसी नागरिक जो वियतनाम में रह रहे थे उन्हें डर था कि वे अपनी नौकरी खो देंगे।
प्रश्न. २ वियतनाम से चीनी प्रभाव को समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाए?
उत्तर- शिक्षा की प्राचीन व्यवस्था की समाप्ति वियतनामियों के लिए फ्रेंच स्कूल खोले वे चीनी भाषा के प्रयोग को बदलना चाहते थे।
प्रश्न. ३ वियतनाम में छात्रों द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों की स्थापना क्यों की गई?
उत्तर- १. सफ्द पोश नौकरियों में वियतनामियों को भाग लेने से रोका गया।तरंग
यह छात्र राष्ट्रभक्ति की भावना से प्रेरित हुए और उन्होंने अन्याय के खिलाफलड़ने का निश्चय किया और 1920 में छात्रों द्वारा राजनीतिक दलों की स्थापना की गई।
प्रश्न. ४ 1937 में हाऊहाऊ आंदोलन की क्या विशेषता थी?
उत्तर- आधुनिक शिक्षा की जानकारी के लिए छात्र जापान गए। उनका मुख्य उद्देश्य फ्रांसीसियों को भगाना था । फान बाओ चाऊ और कई अन्य लोगों को चीन में शरण लेने को मजबूर होना पड़ा
प्रश्न. ६ **संयुक्त राज्य अमरीका के युद्ध में शामिल होने का क्या प्रभाव पड़ा ?**
उत्तर- सरकार की आलोचना कई लोगों द्वारा की गई। वियतनाम को दो भागों में बांट दिया गया सेनाओं में आवश्यक सेवा देने की शुरूआत की गई

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न.१हो.ची.मिन्हके नेतृत्व में वियतनामियों ने अपने सीमित संसाधानों का प्रयोग संयुक्त राज्य अमेरिका के विरूद्ध युद्ध कैसे किया?
उत्तर- सड़कों औरफुटपाथों का प्रयोग मनुष्यों और सामान को उत्तर से दक्षिण ले जाने के लिए किया गया। ट्रक से सामान का वितरण कराया गया लेकिन उनहें महिला कुलियों द्वारा अपनी पीठ पर लाया गया। इस मार्ग पर थोड़े-थोड़ेफासले पर सैनिक अड्डों और अस्पतालों की व्यवस्था की गई।
प्रश्न. २ प्लेग की समस्या से निपटने के लिए फ्रांसीसियों द्वारा क्या तरीके अपनाए गए ?
उत्तर-1902 में चूहों की खोज आरंभ की, वियतनामी श्रमिकों की चूहों को खोजने के लिए लगाया गया और उन्हें प्रत्येक चूहे पकड़ने पर राशि मिलती हजारों की संख्या में चूहों को पकड़ा गया लेकिन इनका अन्त नही हुआ क्योंकि सफाइ कर्मचारियों द्वारा लाभ कमाने के उद्देश्य से नए तरीकों की खोज की गई।
प्रश्न. ३ वियतनामी युद्ध का अन्त कैसे हुआ?
उत्तर- संयुक्त राज्य अमेरिका अपने उद्देश्य में असफल रहा और उसे वियतनामी लोगों का समर्थन भी नहीं मिला। हजारों की संख्या में अमरीकी युक्त सैनिकों ने अपना जीवन खो दिया। युद्ध के दृश्यों को टीवी पर दिखाया गया यूएस और अन्य देशों में इसकी कठोर प्रतिक्रिया देखी गई ।
अतिरिक्त प्रश्न-
प्रश्न.१ फ्रांसीसियों द्वारा उपनिवेश की आवश्यकता क्यों महसूस की गई ?
प्रश्न.२ वियतनाम में विद्यालय राजनीतिक और सांस्कृतिक युद्ध के महत्वपूर्ण स्थान कैसे बने?
प्रश्न.३ वियतनाम में महिलाओं को एक योद्धा के रूप में कैसे दिखाया गया?
प्रश्न.४ वियतनाम में स्त्रियों की स्थिति के बारे में स्पष्टीकरण दीजिए।

पाठ– 3
भारत में राष्ट्रवाद

पाठ का संक्षिप्त विचार–भारत में राष्ट्रवाद का विकास साम्राज्यवाद के संदर्भ में हुआ। 1915 में महात्मा गांधी अफ्रीका से भारत आए। उनके नेतृत्व में अनेक जन आंदोलनो का आरंभ हुआ।
1.प्रथम विश्व युद्ध, खिलाफत– असहयोग आंदोलन

युद्ध और उसके प्रयास– सेना मे विशाल **बढ़ोत्तरी** युद्ध हेतु लोन कर वृद्धि इन वर्षों में (1913–18) में मूल्य वृद्धि दोगुनी हो गई जिसने जन सामान्य के लिए बहुत मुश्किलें बढ़ाई।

2.**गांधी जी और सत्याग्रह– बिहार में** चम्पारन 1917 गुजरात में खेडा 1918, 1919 में रोलट एक्ट के विरोध में सत्याग्रह 13 अप्रैल में हुए जलियावाला हत्याकांड प्रथम विश्व युद्ध और खिलाफत मामला दिसम्बर 1920 नागपुर बैठक में असहयोग आंदोलन शुरू करने का निश्चय स्वीकार किया शहरों में आंदोलन

सविनय अवज्ञा आंदोलन की ओर–

1. **परिषदीय** राजनीति में लौटने के लिए सी आर दास और मोतीलाल नेहरू ने स्वराज्य पार्टी की स्थापना की।
2. साइमन कमीशन और बहिष्कार
3. लाहौर कांग्रेस और पूर्ण स्वराज्य की मांग दाण्डी मार्च और सविनय अवज्ञा आंदोलन सरकार की दमनात्मक नीति 2. गांधी इरविन समझौता और गोलमेज सम्मेलन की असफलता आंदोलन का पुनः आरंभ
4. **आंदोलन में किसने भाग लिया– धनी, किसान,** समुदाय गरीब, किसान कार्यकर्ता आंदोलन में व्यापक स्तर पर स्त्रियों की सक्रिय भागीदारी
5. आंदोलन की सीमाएं अछूतों की कम भागीदारी – अम्बेडकर और पृथक निर्वाचन व पूना पेक्ट
6. **सामूहिक अपनेपन का भाव यह भावना आंशिक रूप** से संयुक्त संघर्षों के चलते पैदा हुई थी लोककथाएं व गीत की भूमिका 2. भारत की पहचान और भारत माता

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न.1 सत्याग्रह **से अभिप्राय** है

सत्य की शक्ति पर जोर **देना**

प्रश्न.2 सितम्बर 1920 में कांग्रेस की बैठक किस स्थान पर हुई ?

कलकत्ता

प्रश्न. 3 अवध के किसान आंदोलन का नेता कौन था ?

बाबा रामचन्द्र

प्रश्न. 4 किस एक्ट के अंतर्गत असम के बागान श्रमिकों को चाय के बागान छोड़ने की अनुमति नहीं थी ?

इग्लैंण्ड माइग्रेशन एक्ट

प्रश्न.5 स्वराज पार्टी की स्थापना किन नेताओं ने की ?

चितरंजन दास और मोतीलाल नेहरू

प्रश्न.6किस स्थान पर गांधी ने समुद्री पानी से नमक बनाया ?

दाण्डी

प्रश्न.7 हिन्द स्वराज किसने लिखा?

महात्मा गांधी

प्रश्न.8 कौन सी घटना ने गांधीजी को असहयोग आंदोलन रोकने के लिए बाध्य किया ?

चौर-चौरी

प्रश्न.9 किसने पेशावर में सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया ?

खान अब्दुल गफार खॉ

प्रश्न.10 सर्वप्रथम भारत माता के रूप का चित्रण किसने किया ?

बंकिम चन्द्र चटोपाध्याय

लघु उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न.1 आर्थिक संदर्भ में असहयोग आंदोलन का क्या प्रभाव रहा ?

उत्तर–विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार शराब की **दुकानों** पर प्रदर्शन और विदेशी वस्त्रों की होली जलाई बहुत से व्यापारियों ने विदेशी वस्त्रों का आयात करने से मना कर दिया। विदेशी वस्त्रों का आयात घटकर आधा रह गया।

प्रश्न. 2 शहरों में असहयोग आंदोलन के धीमे होने के क्या कारण थे।

उत्तर– 1. मिल के कपड़ों की अपेक्षा खादी महंगा था और जिसे गरीब नहीं खरीद सकते थे 2. विदेशी संस्थाओं का बहिष्कार किया लेकिन भारतीय संस्थाओं के स्थापना की धीमी प्रक्रिया के कारण छात्रों और अध्यापकों ने ब्रिटिश संस्थाएं फिर से अपना ली।

प्रश्न.3 सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ करने की मुख्य घटनाओं का वर्णन करिये

उत्तर
1. विश्वव्यापी आर्थिक संकट
2. 1928 में साइमन कमीशन बना लेकिन किसी भारतीय सदस्य को शामिल नहीं किया गया
3. लार्ड इरविन द्वारा भारत को औपनिवेशिक राज्य बनाए जाने की घोषणा
4. लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का लक्ष्य पास किया गया

प्रश्न.4 असम के बागान श्रमिकों के लिए स्वतंत्रता का क्या मतलब था।

उत्तर–
1. **बाड़ों** में स्वतंत्रता पूर्वक आने जाने की स्वतंत्रता।
2. गांवों के साथ उनका संपर्क बनाए रखना।
3. बिना आज्ञा चाय बागान **छोड़ने** की अनुमति नहीं थी जो वे चाहते थे।

प्रश्न. 5 सविनय अवज्ञा आंदोलन में स्त्रियों की क्या भूमिका थी?

उत्तर– 1. नमक सत्याग्रह में अधिक से अधिक संख्या में भाग लिया 2. विरोध रैली व नमक बनाने में भाग लिया 3. कई औरतें जेल भी गई। 4. गांवों में भी स्त्रियों ने देश सेवा को पावन कर्तव्य माना।

प्रश्न.6 लोगों को एक जुट करने में किन समस्याओं का सामना करना पड़ा। विवेचना कीजिए

उत्तर– प्राचीन गौरव का श्रेय आर्यों और उनके योगदान को दिया गया इसलिए अन्य समुदाय को एक मंच पर लाना मुश्किल हो गया।

प्रश्न.7 राष्ट्र को क्यों और कैसे नारी रूप में प्रस्तुत किया ?

उत्तर– 1. इससे एक छवि बनाने में सहायता मिली ओर लोग राष्ट्र को पहचान सकते थे। 2. राष्ट्रवाद के विकास के साथ भारत को भारत माता के साथ जोड़ा गया।

प्रश्न ८. गांधीजी के सत्याग्रह के विचार से क्या तात्पर्य था ?

उत्तर : इसका अर्थ यह था कि अगर आपकाउद्देश्य सच्चा है, यदि आपका संघर्ष अन्याय के ख़िलाफ है तो उत्पीड़क से मुकाबला करने के लिए आपको किसी शारीरिक बल की आवश्यकता नहींहै। प्रतिशोध की भावना या आक्रमकता का सहारा लिए बिना सत्याग्रहीकेवल अहिंसा के सहारे भी अपने संघर्ष में सफल हो सकता है। इसके लिएदमनकारी शत्रु की चेतना को झिझोड़ना चाहिए। उत्पीड़क शत्रु को ही नहींबल्कि सभी लोगों को अहिंसाके जरिए सत्य को स्वीकार करने पर विवश करने की बजाय सच्चाई को देखने और सहज भाव से स्वीकार करने के लिए प्रेरितकिया जाना चाहिए। इस संघर्ष में अंततः सत्य की ही जीत होती है।गांधीजीका विश्वास था की अहिंसा का यह *धर्म* सभी भारतीयों को एकता के सूत्रमें बांध सकता है।

प्रश्न ९ गांधीजी ने असहयोग आन्दोलन क्यों प्रारंभ किया ? इस आन्दोलन के क्या उद्देश्य था ?

उत्तर: गांधीजी ने अपनी पुस्तक*हिन्दस्वराज*,1909 में कहा था किभारत में ब्रिटिश शासन भारतीयों के सहयोग से ही स्थापित हुआ था और यहशासन इसी सहयोग के कारण चल पा रहा है। अगर भारत के लोग अपनासहयोग वापस ले लें तो साल भर के भीतर ब्रिटिश शासन ढह जाएगा औरस्वराज की स्थापना हो जाएगी।

प्रश्न १० साइमन कमीशन क्या था ? भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसका विरोध क्यों किया था ?

उत्तर: ब्रिटेन की नयी टोरी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एकवैधानिक आयोग का गठन कर दिया। राष्ट्रवादी आंदोलन के जवाब में गठित किएगए इस आयोग को भारत में संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैलीका अध्ययन करना था और उसके बारे में सुझाव देने थे। इसआयोग में एक भी भारतीय सदस्य नहीं था सारे अंग्रेज थे।

<u>दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न.1पूना पैक्ट का क्या परिणाम हुआ? इससे दलितों को क्या लाभ हुआ?
उत्तर– सितम्बर 1932 में पूना पैक्ट के अनुसार दलितों को केन्द्रीय विधान परिषदों में स्थान आरक्षित किया लेकिन उन्हें सामान्य निर्वाचन में चुना जाना था।

प्रश्न.2 कांग्रेस और मुस्लिम लीग में किन राजनीतिक विषयों पर मतभेद बढ़ा। विवेचना कीजिए।

उत्तर– भविष्य की सभाओं में प्रतिनिधित्व के प्रश्न को लेकर विवाद। मुस्लिम लीग के मोहम्मद अली जिन्ना प्रथक निर्वाचन की मांग को छोड़ने के लिए तैयार थे यदि केन्द्रीय सभा में मुस्लिमों को स्थान आरक्षित किया जाय और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व दिया जाय।

प्रश्न.3 भारत के विभिन्न क्षेत्र में गांधी जी ने सत्याग्रह को कैसे संचालित किया।
उत्तर– 1. 1917 में बिहार के चंपारन में शोषित बागान व्यस्था के खिलाफ किसानों को प्रेरित किया

2. गुजरात के खेडा में किसानों के पक्ष में 1918 में सत्याग्रह
3. 1918 में अहमदाबाद में सूती मिल श्रमिकों के आंदोलन के लिए गए।
4. 1919 में रौलट एक्ट के विरूद्ध सत्याग्रह शुरू किया

प्रश्न. 4 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में राष्ट्रवाद के विकास के लिए उत्तरायी कारणों को बताइए।
उत्तर– 1. आर्थिक शोषण 2. देश को प्रशासनिक और आर्थिक एकीकरण 3. पाश्चात्य शिक्षा 4. प्रेस का विकास

अतिरिक्त प्रश्न
प्रश्न.1 आप अवध के किसान आंदोलन के विषय में क्या जानते हैं। स्पष्ट कीजिए
प्रश्न.2 गांधी इरविन समझौते के विषय में आप क्या जानते हैं
प्रश्न.3 खिलाफत आंदोलन क्या था?
प्रश्न.4 आप अल्लूरी सीता राम राजू के विषय में क्या जानते हैं?
प्रश्न.5 असहयोग आंदोलन वापस लेने का क्या कारण था ?
प्रश्न.6 लोंगों पर जलियांवाला बाग घटना का क्या प्रभाव पड़ा?
प्रश्न.7 असहयोग एक आंदोलन कैसे बना ? स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न.8 सविनय अवज्ञा आंदोलन असहयोग आंदोलन से कैसे भिन्न था ?

अध्याय : ५ (खनिज तथा ऊर्जा संसाधान)

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न</u>

प्र.१ कितने प्रतिशत खनिज हमारे कुल पौष्टिक उपयोग का भाग होता है-
०.३

प्र.२ मैग्नेटाइट सर्वोतम प्रकार का लौह-अयस्क है, जिसमे कितने प्रतिशत लोहा पाया जाता है ?

७०-८० प्रतिशत

प्र. ३ कौनसा राज्य भारत में सबसे अधिक मैगनींज उत्पादन करता है?

उड़ीसा

प्र .४ भारत का सबसे पुराना खनिज तेल-पेट्रोलियम उत्पादन राज्य है-

असम

प्र.५ भारत को विश्व में किस ऊर्जा के लिए महाशक्ति का दर्जा दिया है?

पवन महाशक्ति

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.१ ''लोहे की खोज एवं उपयोग से मानव-जीवन में एक अभूतपूर्व परिवर्तन आया है ।'' तीन उदाहरण सहित स्पष्ट करें ।

उत्तर : १ कृषि में क्रान्ति :- विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रो की खोज ।
२ उद्योगों में क्रान्ति : विभिन्न मशीनों, औजारों का आविष्कार ।
३ यातायात के साधनों में क्रान्ति : जहाज, रेल, वायुयान इत्यादि का आविष्कार ।

प्र.२ पृथ्वी में खनिज किन-किन रूपों में पाए जाते हैं, समझाइये ।

उत्तर : क आग्नेय एवं कायान्तरित शैलों में - खनिज दरारों, जोड़ों, भ्रंशो में ।
ख अवसादी शैलों के अनेक खनिज संस्तरों या परतों में ।
ग धरातलीय चट्टानों के अपघटन में ।
घ प्लेसर निक्षेप में धारातलीय चट्टानों के अपघटन में ।

प्र.३. खनन कार्य को 'किलर या मारक उद्योग' क्यों कहते है ? तीन कारण लिखे ।

उत्तर : (क) अधिक जोखिम पूर्ण कार्य ।
(ख) जहरीली गैसों से स्वास्थ्य पर भयंकर प्रभाव ।
(ग) कोयले की खानों में छत ढहने, आग लगने का भय ।
(घ) आन्तरिक भूमिजल संसाधानों का प्रदूषित होना ।

प्र.४ 'आणविक शक्ति' के उपयोग में पक्ष में तीन कारण लिखें ।

उत्तर : (क) कोयला एवं प्राकृतिक खनिज तेल का सीमित भण्डार ।
(ख) आणविक शक्ति संयत्र का संचालन सरल ।
(ग) विश्व के अधिकांश देश सफलता पूर्वक इस शक्ति का उपयोग ।
(घ) चिकित्सा एवं कृषि क्षेत्र में उपयोगी ।
(ड़) पर्यावरणीय कारणों से ताप विद्युत संतोषप्रद नहीं।

प्र.५. गैर परंपरागत संसाधन के रूप में सौर-ऊर्जा का राजस्थान में अधिक संभावना के तीन कारण लिखिए -

उत्तर : (क) गर्म एवं शुष्क क्षेत्र ।
(ख) लगभग वर्ष भर स्वच्छ आकाश ।
(ग) सौर ऊजा प्रदूषण रहित नवीकरणीय संसाधन ।
(घ) सरकार द्वारा प्रोत्साहन ।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

प्र १. भारत में पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र कौन-से हैं? समझाइए ।

उत्तर : अधिकांश पेट्रोलियम क्षेत्र भारत में टर्शियरी युग की शैल सरंचनाओं के अपनतियों व भ्रंश ट्रैप में पाए जाते हैं। पेट्रोलियम सरंध्र एवं असरंध्र चट्टानों के बीच भ्रंश ट्रैपों में भी पाया जाता है भारत में पेट्रोलियम उत्पादन के मुख्य क्षेत्र :-

१. असम - डिगबोई, नहरकटिया और मोरन हुगरीजन
२. गुजरात- अंकलेश्वर, लुनेज, नवगॉव
३. मुम्बईहाइ-
४. गोदावरी- महानदी बेसिन ।

प्र २. प्राकृतिक गैस और बायोगैस में अंतर बताइए ?

उत्तर : **प्राकृतिक गैस :**

१. धरातल की चट्टानों की परतों में यह अत्यंत ज्वलनशील गैस है ।

२. यह व्यापारिक ऊर्जा है ।

३. पेट्रोल रासायनिक उद्योग में यह कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होती है ।

४. पाईप द्वारा ये एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाई जाती है ।

बायोगैस

१. यह पशओुं के गोबर एवं सड़ी-गली पत्तियों द्वारा तैयार किया जाता है ।

२. यह आणविक ऊर्जा है ।

३. यह बड़े टैंक में तैयार को जाती है ।

४. यह ग्रामीण क्षेत्र में ही उपयोग में ली जाती है ।

प्र ३. गैर-परम्परागत ऊर्जा के साधन क्या है ?

उत्तर: ऊर्जा के वे संसाधन जो नवीकरणीय है, जिनका उपयोग सतत् किया जा सकता है जैसे-पवन ऊर्जा, ज्वार ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा इत्यादि।

भूतापीय ऊजा :

१. यह ऊर्जा पृथ्वी की आन्तरिक उष्मा और गर्मी का उपयोग करके उत्पादित की जाती है ।

२. पृथ्वी के आन्तरिक भाग में अत्यधिक उष्मा आज भी विद्यमान है । भारत के विभिन्न भागों मे गर्म पानी के अनेकों स्त्रोत है । जिससे बिजली पैदा की जा सकती है । उदाहरण के लिए ***हिमाचल प्रदेश में मणिकरण*** एवंल***द्दाख में पूगा घाटी*** में इस प्रकार के भूतापीय ऊर्जा सयंत्र लगाए गए हैं ।

ज्वारीय ऊर्जा :

सागरों और महासागरों में उत्पन्न ज्वार से भी ऊर्जा पैदा की जाती है । सागर, महासागर में प्रति दिन ज्वार भाटा आता रहता है ज्वार में जब पानी चढ़ता है तब उस पानी का उपयोग पाईप लाईन द्वारा से जाकर टरबाइन से विद्युत पैदा की जाती है । इस प्रकार के आदर्श दशाएं कच्छ की खाड़ी में विद्यमान है ।

प्र.४. भारत विश्व में पवन महाशक्ति के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त है, क्यों?

उत्तर : (क) भारत में व्यापारिक पवनों और मानसूनी पवनों का उपयोग पवन ऊर्जा के लिए कर सकते हैं ।

(ख) पवन ऊर्जा पूर्ण रूप से प्रदूषण रहित होती है, इसलिए यह ज्यादा सुविधाजनक है ।

(ग) भारत में पवन से चलने वाले २५० टरबाइन लगाने की योजना है । जो भारत में १२ से अधिक अनुकूल स्थानों पर लगाए गये है । जहाँ पर ४५ मेगावाट बिजली उत्पन्न करने की क्षमता है ।

(घ) भारत में कुल पवन उर्जा से ५०,००० मैगावाट बिजली बनाने की संभावना है । ***गुजरात में लाम्बा*** पवन उर्जा संयत्र एशिया का सबसे बड़ा सयंत्र है ।

(ड) इसके अतिरिक्त राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र कर्नाटक, तमिलनाडू, में पवन ऊर्जा के लिए अनुकूल दशाएँहैं ।

प्र.५. भारत में ऊर्जा संसाधानों का संरक्षण कैसे किया जाता है ? समझाइए ।

उत्तर : उपाय :

(क) अपन निजी वाहन का उपयोग न करके सार्वजनिक वाहनों का प्रयोग करना ।

(ख) उपयोग में न आने पर बिजली के स्वीच को बंद कर देना ।

(ग) ऊर्जा बचत उपकरण का उपयोग करके ।

(घ) गैर परम्परागत ऊर्जा के संसाधानों का अधिकतम उपयोग करके ।

(ड़) ऑटोमोबाइल में विद्युत मोटर का प्रयोग करके ।

(च) ऊर्जा बचत हेतु नई खोज एवं उर्जा के नवीन संसाधनों पर अनुसंधान ।

अध्याय : ६ (विनिर्माण उद्योग)

स्मरणीय तथ्य

१. विनिर्माण से तात्पर्य कच्चे माल को संसाधित करके तैयार माल में बदलने की क्रिया को विनिर्माण कहते हैं।

२. उद्योगों का वर्गीकरण :- यह उनकी मुख्य भूमिका के आधार पर किया जाता है। पूंजीगत निवेश, स्वामित्व, कच्चे माल के प्रयोग व तैयार माल आदि के आधार पर।

३. बड़े आकार के उद्योग :- जो अधिक संख्या में श्रमिकों को काम पर लगाते हैं।

४. छोटे आकार के उद्योग :- जिसमें कम संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता पड़ती है।

५. भारी उद्योग :- जिनका प्रयोग किये जाने वाला कच्चा माल भारी होता है।

६. हल्के उद्योग : जो हल्के कच्चे माल का इस्तेमाल करते हैं।

७. विनिर्माण को देश की रीढ़ की हडड्ी माना जाता है जो कि देश के आर्थिक विकास के जिम्मेदार हैं ।

८. उद्योगों की अवस्थिति, कच्चेमाल, श्रम, पूंजी, शक्ति के साधान व बाजार आदि तत्वों द्वारा प्रभावित होती है।

९. ***कृषि आधारित उद्योग*** :- वे उद्योग जिनका कच्चामाल खेती से प्राप्त होता है। जैसे - कपास उद्योग, जूट उद्योग, ऊन उद्योग, रेशम उद्योग, चीनी उद्योग आदि।

१०. ***सूती वस्त्र उद्योग*** :- इसका हमारी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है। यह औद्योगिक उत्पादन का १४% उत्पादन है। देश के लगभग ३५० लाख लोगों को सीधे रूप से रोजगार प्रदान करता है। पहले सूती वस्त्र उद्योग महाराष्ट्र व गुजरात में ही केन्द्रित था, लेकिन अब यह देश के ८० से ज्यादा शहरों में फैल गया है। अच्छे किस्म की कपास, पुरानी मशीनरी, अनियमित शक्ति की आपूर्ति कम उत्पादकता तथा कड़ी प्रतिस्पर्धा आदि कई समस्याओं का सामना कर रहा है।

११. ***जूट उद्योग*** :- देश में लगभग ७० जूट मिलें है। देश का अधिकतर जूट प. बंगाल में पैदा होता है। हुगली नदी घाटी व आन्ध्र प्रदेश, बिहार, उत्तरप्रदेश, मद्ययप्रदेश, उड़ीसा, आसाम व त्रिपुरा आदि।

१२. ***चीनी उद्योग*** : देश में ४६० चीनी मिलें है। जिसमें से ५० प्रतिशत चीनी मिलें उतरप्रदेश में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश व गुजरात आदि चीनी उत्पादन के प्रमुख केन्द्र हैं।

१३. ***खनिज आधारित उद्योग*** :- वे उद्योग जो खनिज पदार्थो को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल करते है जैसे लोहा-इस्पात, सीमेन्ट, रसायन, एलुमिनियम प्रगलन, तांबा प्रगलन, उर्वरक उद्योग आदि।

<u>लोहा व इस्पात उपयोग:-</u>

१. कुल्टी लौह इस्पात कारखाना, जो कि १८७० में बर्नपुर में आरम्भ हुआ था।

२. **१९०७** में आधुनिक लौहा व इस्पात कारखाना ***जमशेदपुर*** में स्थापित हुआ।

३. देश में आज १० एकीकृत व २०० छोटे इस्पात कारखाने हैं।

४. कच्चे माल के रूप में कच्चा लोहा, चूना पत्थर, कोयला व मैगनींज का इस्तेमाल करते हैं।

५. उद्योग की अवस्थिति मुख्यत: कच्चे माल पर निर्भर करती है। देश के महत्वपूर्ण लौहा इस्पात केन्द्र उत्तर-पूर्वी तथा दक्षिणी प्रायद्वीपीय भागों में स्थित हैं।

६. भारतीय लौहा व इस्पात प्राधिकरण के द्वारा इन उद्योगों का नियंत्रण व प्रबन्धन किया जाता है।

७. भारत लगभग ३२८ लाख टन इस्पात का उत्पादन करता है। विश्व में इसका नवा स्थान लौह व इस्पात उत्पादक देशों में है।

<u>एलुमिनियम प्रगलन</u>

१. एलुमिनियम उष्मा व बिजली का सुचालक है।

२. इसे इस्पात, तांबा, जस्ता व सीसे के विकल्प के रूप में प्रयुक्त किया जाता है।

३. एक टन एलुमिनियम को बनाने मे ६ टन बाक्साइट व १८,६०० किलोवाट बिजली की आवश्यकता पड़ती है।

४. बिजली व बाक्साइट की उपलब्धता एलुमिनियम उद्योग की अवस्थिति निर्धारित करता है।

५. देश में ८ एलुमिनियम कारखाने हैं जो उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, केरल, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु में है।

६. भारत लगभग ६००० लाख टन एलुमिनियम प्रति वर्ष उत्पादन करता है।

रसायन उद्योग :-

१. भारत में अकार्बनिक रसायनों में सलफ्यूरिक अम्ल उर्वरक, कृत्रिम वस्त्र, नाइट्रिक अम्ल, क्षार, सोडा ऐश, आदि के उद्योग पूरे देश में फैले हैं। सलफ्यूरिक अम्ल का प्रयोग, उर्वरक उद्योग, कृत्रिम रेशे, प्लास्टिक, रंजक पदार्थ आदि। सोडा ऐश का इस्तेमाल, ग्लास, कागज, साबुन व अपमार्जक आदि बनाने में काम आता है।

२. भारी कार्बनिक रसायन जिसमें पेट्रो रसायन आते हैं जो कि कृत्रिम रेशे, कृत्रिम, रबर, प्लास्टिक, रंजक पदार्थ दवाईयाँ, औषध रसायनों के बनाने में प्रयोग किये जाते है। रसायन उद्योग तेल परिष्करण शालाओं व पेट्रो रसायन उद्योग के नजदीक स्थित होते है|

उर्वरक उद्योगः-

१. ***पहला कारखाना रानीपेट तमिलनाडु*** में स्थित है।

२. भारतीय उर्वरक संस्थान के द्वारा १९५१ में सिन्दरी में स्थापित किया गया है।

३. हरित क्रान्ति के बाद गुजरात, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, पंजाब और केरल आदि में भी स्थापित किया गया।

४. दूसरे प्रमुख उत्पादक हैं आन्ध्रप्रदेश, उडी़सा, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, आसाम, पं. बंगाल, गोवा, दिल्ली, मध्यप्रदेश और कर्नाटक आदि।

५. ५७ उर्वरक कारखाने नाइट्राजन उर्वरक तथा २९ यूरिया तथा ९ अमोनियम उत्पादक कारखाने हैं तथा ६८ छोटे कारखाने हैं जो सुपर फ ास्फ ट व अन्य का उत्पादन करते हैं।

सीमेन्ट उद्योगः-

१. सीमेन्ट का इस्तेमाल इमारत, घर, कारखाने, सड़क और बाँध बनाने में किया जाता है।

२. इसमें कच्चे माल के रूप में चूना पत्थर, मिट्टी, जिप्सम, एलुमिना, कोयला व विद्युत शक्ति का इस्तेमाल करते हैं।

३. १९०४ में चेन्नई में पहला सीमेन्ट कारखाना स्थापित किया गया। इसमें ११९ बड़ी व ३०० छोटी सीमेन्ट इकाईयां है।

४. भारतीय सीमेन्ट की दक्षिण पूर्व एशिया, मध्यपूर्ण व अमेरिका आदि में काफी मांग इसकी उच्च गुणवत्ता के कारण है।

मोटरगाड़ी उद्योगः- व्यापारिक परिवहन जैसे ट्रक, यात्री बसें, कार, मोटर साइकिल, स्कूटर आदि का निर्माण बड़ी संख्या में बनते थे। भारत दूसरा तिपहिया वाहन उत्पादन देश है।साइकिल स्कूटर और साइकिल आदि के उद्योग दिल्ली, गुड़गाव, मुम्बई, पुणे, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ, इन्दौर, हैदराबाद, जमशेदपुर तथा बैंगलुरू के नजदीक स्थित हैं।

इलैक्ट्रोनिक उद्योगः-*बैंगलुरू को देश की इलैक्ट्रोनिक राजधानी* कहा जाता है। दूसरे महत्वपूर्ण इलैक्ट्रोनिक वस्तुएं उत्पादक वस्तुएं के उत्पादक केन्द्र हैदराबाद, दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता, कानपुर, पुणे, लखनऊ तथा कोयम्बटुर आदि इनमें बहुत से सूचना तकनीकी पार्क भी विकसित हो गई है।

- उद्योग चार प्रकार का प्रदूषण फैलाते हैं। वायु, जल, भूमि, ध्वनि प्रदूषण आदि।

वायु प्रदूषण कार्बन मोनाआक्साइड व सल्फर डाईआक्साइड के द्वारा होता है। धूलकण तथा धुआँ आदि में ऐसे कण मौजूद होते हैं।

- जल प्रदूषणः- कोयला, डाई, साबुन, कीटनाशक उर्वरक, प्लास्टिक, रबर आदि साधारणतः पाये जाने वाले प्रदूषक हैं। इसके अतिरिक्त कागज की लुग्दी आदि रसायन, पेट्रोलियम व परिष्करण शालाएं आदि।

- ध्वनि प्रदूषण में अनावश्यक रूप से होने वाली धवनि तथा औद्योगिक मशीनों के द्वारा प्रदूषण करती है।

पर्यावरण निम्नीकरण को नियंत्रण करने के उपायः-

१. सही शक्ति के साधन व उचित ढ़ग से इस्तेमाल करना।

२. कोयले के स्थान पर तेल का इस्तेमाल करना।

३. तरल का त्रिस्तरीय निस्तारण करना।

(अ) यांत्रिक साधनों द्वारा प्राथमिक शोधन।

(ब) जैविक प्रक्रियाओं द्वारा द्वितीयक शोधन।

(स) जैविक, रसायनिक तथा भौतिक प्रक्रियाओं द्वारा तृतीयक शोधन। इसमें अपशिष्ट जल को पुनर्चक्रण द्वारा पुनः प्रयोग योग्य बनाया जाता है।

४. भूमि व मृदा के प्रदूषण को नियंत्रण भी तीन क्रियाओं द्वारा किया जा सकता है।

(अ) कचरे को इकट्ठा करना विभिन्न स्थानों से।

(ब) भूमि के गड्डे भरने के लिए कचरे को निस्तारण करना।

(स) कचरे का पुर्नचक्रण व सही ढ़ग से निस्तारण।

<u>अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न</u>

१. १८५४ में भारत में प्रथम सूती वस्त्र मिल की स्थापना

उत्तर– **बम्बई**

२. **विश्व** में जूट और जूट निर्मित उत्पादों का सर्वाधिक उत्पादक

उत्तर–भारत

३. लौह और **इस्पात**उद्योग है

उत्तर–आधारभूत उद्योग

४. दुर्गापुर इस्पात संयंत्र स्थित है

उत्तर– पश्चिम **बंगाल**

५. कार्बनिक रासायनिक संयत्र आम तौर पर **किन** संयंत्रोंके पास स्थित होते हैं?

उत्तर–तेल रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल संयंत्रों

६. एस० टी० पी० संक्षिप्त रूप है

उत्तर–सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्क

७. एन० टी० पी० सी० संक्षिप्त रूप है

उत्तर–नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन

८. परमाणु ऊर्जा संयंत्र **से कौन-सा** प्रदूषण होता है?

उत्तर–तापीय प्रदूषण

९. विनिर्माण उद्योग **का एक उदाहरण है-**

उत्तर–चीनी उत्पादन

१०. विनिर्माण उद्योग में शामिल है-

उत्तर-कच्चे माल को तैयार माल में परिवर्तित करना११ . औद्योगिक अवस्थिति **किस-किस से** प्रभावित होती है?

(अ) भूमि,मजदूर,कच्चा माल,सरकार की नीतियाँ आदि

१२ . रबड., चाय और काफी हैं-

कृषि आधारित उद्योग

१३ .सीमेण्ट है-

भारी उद्योग

१४ .स्वर्णिम रेशा है-

उत्तर–**जूट**

लघुत्तरीय प्रश्न-

प्रश्न– किसी चार तरीकों को बताए जिनसे भारतीय औद्योगिक उत्पाद वैश्विक प्रतिस्पर्धा का आसानी से सामना कर सकते हैं

उत्तर– (अ) आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग

(ब) आधुनिक मशीनरी का प्रयोग

(स) करों को कम करके

(द) उत्पादन की लागत को कम करके

प्रश्न– "औद्योगिकरण और शहरीकरण साथ–साथ चलते है"–व्याख्या कीजिए ।

उत्तर– (अ) शहर उद्योगों को बाजार के साथ– साथ बैंकिग, बीमा, परिवहन, श्रम और वित्तीय सलाह जैसी सेवाएँ प्रदान करता है।

(ब) औद्योगिक कामगारों को घरों और अन्य सुविधाओं की आवश्यकता पडती है, जिससे छोटे शहर बडे शहरों में तब्दील हो जातें हैं।

प्रश्न– 'समूहन बचत' किसे कहा जाता है?

उत्तर– शहर उद्योगों को बाजार के साथ– साथ बैंकिग, बीमा, परिवहन, श्रम, सलाहकार और वित्तीय सलाह जैसी सेवाएँ प्रदान करता है। शहरों द्वारा प्रस्तुत इन सुविधाओं का फायदा उठाने के लिए उद्योग शहरों के आस–पास केन्द्रीत हो जाते हैं इसे समूहन बचत कहते हैं।

प्रश्न– उन भौतिक और मानवीय कारकों को बताइए जो उद्योगों की स्थापना को प्रभावित करते हैं?

उत्तर– भौतिक कारक जो उद्योगों की स्थापना को प्रभावित करते हैं–

(अ) कच्चे माल की उपलब्धता (ब) विद्युत की उपलब्धता

(स) उपयुक्त जलवायु (द) पानी की उपलब्धता

मानवीय कारक जो उद्योगों की स्थापना को प्रभावित करते हैं–

(अ) श्रम की उपलब्धता (ब) बाजार की उपलब्धता (स) सरकार की नीतियाँ

प्रश्न– बडा और लघु उद्योग किसे कहते है? एक–एक उदाहरण दीजिए ।

उत्तर– जो उद्योग बडी संख्या में श्रमिकों को रोजगार देते हैं और बडे पैमाने पर उत्पादन करते हैं उन्हें बडे उद्योग कहते हैं। जैसे – सूती कपड़ा उद्योग

जो उद्योग कम संख्या में श्रमिकों को रोजगार देते हैं और छोटे पैमाने पर उत्पादन करते हैं उन्हें लघु उद्योग कहते हैं। जैसे – रेडीमेड परिधान उद्योग

प्रश्न– कृषि आधारित उद्योग किसे कहते हैं?

उत्तर–जो उद्योग कृषि से सीधे कच्चे माल को प्रयोग में लाते हैं, उन्हें कृषि आधारित उद्योग कहते हैं। उदाहरण–चीनी उद्योग,सूती वस्त्र उद्योग आदि ।

प्रश्न–भारत में सूती वस्त्र उद्योग के विकेन्द्रीकरण के क्या कारण है?

उत्तर– (अ)सूती कपड़ेकी भारत में हर क्षेत्र में उच्च मांग है।

(ब) सूती वस्त्र उद्योग में प्रयोग आने वाले प्रमुख आदान जैसे बिजली, परिवहन और बैंकिग भारत के हर क्षेत्र में मौजूद हैं।

(स) सूती वस्त्र उद्योग श्रम आधारित उद्योग है तथा भारत में आसानी से श्रमिक मिल जाते हैं।

(द) सूती वस्त्र उद्योग में कम तकनीकी आदानों,मशीनो और उपकरणो का प्रयोग किया जाता है।

(इ) इसका कच्चा तथा तैयार माल हल्का होता है तथा आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है।

प्रश्न– "सूती वस्त्र उद्योग का कृषि क्षेत्र से अटूट संबन्ध है"। व्याख्या कीजिए

उत्तर– (अ) सूती वस्त्र उद्योग का कृषि क्षेत्र से अटूट संबन्ध है और यह किसानों को रोजगार प्रदान करता है तथा साथ ही साथ श्रमिकों को कपास चुनने, गाँठ बनाने, कताई, बुनाई, रंगाई, सिलाई और पैकेट बनाने जैसे कार्यों में रोजगार प्रदान करता है।

(ब) कृषि सूती वस्त्र उद्योग को कच्चा माल प्रदान करता है।

प्रश्न– सूती वस्त्र उद्योग की प्रमुख समस्यायें क्या है?

उत्तर– (अ) अच्छे गुणवत्ता वाली लंबे रेशे की कपास का अभाव (ब) बिजली की अनियमित आपूर्ति

(स) पुरानी और जर्जर मशीनरी और प्रौद्योगिकी (द) श्रमिकों की कम उत्पादकता

(इ) अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा

प्रश्न–राष्ट्रीय जूट नीति–२००५ के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं? देश में जूट की माँग में क्यों वृद्धी हो रही है?

उत्तर–(अ) उत्पादकता बढाना

(ब) गुणवत्ता में सुधार करना

(स) किसानों को जूट की अच्छी कीमतें सुनिश्चित करना

(द) प्रति हेक्टेयर पैदावार बढाना

देश में जूट की माँग में वृद्धी हो रही है क्योंकि

(अ) सरकार ने जूट के प्रयोग को अनिवार्य किया है (ब) पर्यावरण रक्षा हेतु वैश्विक चिन्ता

<u>दीर्घउत्तरीय प्रश्न-</u>

प्रश्न–"भारत विश्व में लौह और इस्पात का एक महत्वपूर्ण उत्पादक देश है, परन्तु हम अपनी पूर्ण क्षमता से उत्पादन नहीं कर पा रहें हैं "। कोई चार कारण बताइए

उत्तर– (अ) उच्च लागत और कोकिंग कोयले की कम उपलब्धता

(ब) श्रमिकों की कम उत्पादकता (स) बिजली की कमी

(द) खराब बुनियादी ढाँचा (इ) अनुसंधान और विकास में कम निवेश

प्रश्न– लौह और इस्पात उद्योग को बुनियादी उद्योग क्यों कहा जाता है?

उत्तर– लौह और इस्पात उद्योग को बुनियादी उद्योग कहा जाता है क्योंकि

(अ) यह अन्य उद्योगों जैसे भारी इंजीनियरिंग उपकरणों, रक्षा उपकरणों, वाहन तथा हवाई जहाज उद्योग की स्थापना और विकास में मदद करता है ।

(ब) यह रोजगार प्रदान करने में सहायक है ।

(स) यह कृषि के विकास में सहायक है ।

प्रश्न– विनिर्माण उद्योग का क्या महत्व है?

उत्तर–(अ) ***रोजगार का सृजन:*** अकुशल तथा कुशल श्रमिकों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन करता है।

(ब) ***विदेशी मुद्रा का अर्जन:*** विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात से विदेशी मुद्रा के अर्जन में सहायक है।

(स) ***भूमि पर दबाव पर कमी:*** यह रोजगार के लिए भूमि पर दबाव में कमी करता है और अकुशल तथा कुशल श्रमिकों के लिए बडी संख्या में रोजगार का सृजन करता है।

(द) ***आर्थिक*** समस्याओंका ***निराकरण:***औद्योगिक विकास गरीबी और बेरोजगारी हटाने के लिए एक पूर्व शर्त है। औद्योगिक विकास से बेरोजगारी और आर्थिक असमानता दूर होती है तथा क्षेत्रीय असंतुलन भी दूर होता है।

प्रश्न– "कृषि और उद्योग एक दूसरे से अनन्य नहीं है. यह साथ–साथ चलते हैं"–व्याख्या कीजिए

उत्तर– ***कृषि का उद्योग में योगदान–***

(अ) कृषि क्षेत्र कृषि आधारित उद्योगों जैसे–जूट, कपडा, चीनी को कच्चा माल देता है।

(ब) यह उद्योगों को पूँजी प्रदान करता है।

(स) यह औद्योगिक श्रमिकों को भोजन प्रदान करता है।

(द) यह औद्योगिक उत्पादों जैसे–रासायन, उर्वरक, ट्रकटर आदि के लिए अच्छा बाजार प्रदान करता है।

(इ) यह उद्योगों पर दबाव कम करता है।

उद्योग का कृषि में योगदान–

(अ) यह कृषि क्षेत्र को रसायन, उर्वरक, ट्रक्टर, आदि प्रदान करता है।

(ब) यह कृषि क्षेत्र को बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करता है।

(स) यह कृषि के अधिशेष श्रमिकों कोअवशोषित करता है तथा कृषि मजदूरों पर दबाव कम करता है।

(द) यह कृषि उत्पादों का मूल्य बढ़ा देता है।

प्रश्न– जूट उद्योग का क्या महत्व है?

उत्तर–(अ) ***रोजगार का सृजन:*** यह २.६१ लाख श्रमिकों को सीधे तथा अप्रत्यक्ष रुप से लगभग ४० लाख छोटे और सीमांत किसानों को रोजगार का सृजन करता है।

(ब) ***उत्पाद :*** जूट उद्योग दैनिक उपयोग के उत्पादों जैसे–रस्सियों, मैट, बैग आदि को उपलब्ध कराता है।

(स) ***विदेशी मुद्रा का अर्जन:*** विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात से विदेशी मुद्रा के अर्जन में सहायक है।

(द) ***लघु उद्योगों का संवर्धन:*** जूट के कई उत्पादों का निर्माण कुटीर और लघु उद्योग में होता है जिससे औद्योगिक विकास और विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा मिल रहा है।

प्रश्न– चीनी उद्योग उत्तर से दक्षिण की ओर स्थानान्तरित होने के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– उत्तर भारत चीनी उत्पादन का प्रमुख केन्द्र माना जाता है परन्तु धीरे–धीरे यह दक्षिण की ओर खिसक रहा है। इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं–

(अ) दक्षिण राज्यों के गन्ने में चीनी की मात्रा अधिक होती है।

(ब) दक्षिण राज्यों की जलवायु गन्ने की खेती के लिए अधिक उपयुक्त है।

(स) दक्षिण राज्यों में निर्यात की सुविधा बेहतर है।

(द) दक्षिण राज्यों में सहकारी चीनी मिलों का प्रबंधन उत्तरी राज्यों से अच्छा है।

(इ) प्रायद्वीपीय भारत की जलवायु गन्ने की पेरायी के लिए अधिक उपयुक्त है।

प्रश्न– चीनी उद्योग के समक्ष कौन–कौन सी चुनौतियाँ हैं?

उत्तर– चीनी उद्योग के समक्ष निम्नलिखित चुनौतियाँ हैं–

(अ) ***कम उपज:*** विश्व के प्रमुख देशों की तुलना में भारत में गन्ने की प्रति हेक्टेयर उपज बहुत कम है।

(ब) ***लघु पेराई काल:*** भारत में गन्ना पेराई काल वर्ष में केवल ४ से ७ महीने है जिससे बहुत गन्ना बेकार हो जाता है और इससे चीनी उद्योग को हानि होती है।

(स) ***उत्पादन में अधिक लागत :*** भारत में प्रमुख देशों की तुलना में चीनी उत्पादन की लागत सबसे अधिक है जिसका प्रमुख कारण पुरानी और अप्रचलित मशीनें और प्रौद्योगिकी, उच्च्य गन्ना मुल्य आदि हैं।

(द) ***पुरानी और अप्रचलित मशीनें और प्रौद्योगिकी:*** भारत में ज्यादातर चीनी मिलें अभी भी चीनी उत्पादन के लिए पुरानी और अप्रचलित मशीनें और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहीं है जिससे चीनी का उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

अध्याय : ७ (राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था कीजीवन रेखा)

स्मरणीय तथ्य

यातायात के तीन साधन हैः *- जल, वायु व सड़क परिवहन*

स्थल परिवहन में रेलवे व सड़क परिवहन आते है। जल परिवहन में नदी परिवहन अन्तः स्थलीय परिवहन तथा सागरीय या महासागरीय परिवहन सबसे नवीन व तीव्रगामी वायु परिवहन है।

भारत में पॉच प्रकार के परिवहन के साधन हैः - सड़क मार्ग, रेलमार्ग, वायुमार्ग, जलमार्ग तथा पाईपलाईन।

सड़कः *- मुगलकाल में भी बहुत से सड़क मार्गो का निर्माण हुआ। शेरशाह सूरी ने ग्रांड ट्रंक रोड़ का निर्माण करवाया था जो चितगांव (बांग्लादेश) पूर्व से पश्चिम में पेशावर (पाकिस्तान) तक जाती है।*

सड़क मार्ग का महत्वः *- 1) सड़क का निर्माण, सस्ता व आसान है तथा इनका रखरखाव भी आसान है।*

2) यह घर से घर तक की सेवा प्रदान करती है।

3) सड़क मार्ग, यात्रियों व वस्तुओं को छोटी दूरी से जोड़ने के लिए बहुत सुविधाजनक है।

सड़कों के प्रकारः *- 1) राष्ट्रीय राजमार्ग 2) राज्य सड़क मार्ग*

3) जिला सड़के 4) ग्रामीण सड़के 5) सीमान्त सड़के

एक्सप्रेस मार्ग व महामार्ग यह चार से छः लेन के होते है। जो दूरस्थ क्षेत्रों को जोड़ते है तथा देश के यातायात के माध्यम से तीव्र गति से संचालित होता है।

लम्बाईः *- इनकी लम्बाई लगभग 23.0 लाख किमी है। यह विश्व में सबसे बड़ा सड़क मार्ग का जाल है जो स्थल यातायात का 57 प्रतिशत भार वहन करता है।*

राष्ट्रीय महामार्गः *- जो दो या दो से अधिक राज्यों को देश के प्रमुख स्थानों से जोड़ते है। इनकी लम्बाई लगभग 65000 किमी तथा यह कुल सड़क मार्ग का 2 प्रतिशत है तथा इनका केन्द्रीय लोक कार्मिक विभाग द्वारा रखरखाव किया जाता है।*

राज्य मार्गः - राज्य लोक कार्मिक विभाग द्वारा इनका रखरखाव किया जाता है। यह राज्य की राजधानी को जिला मुख्यालय से जोड़ती है।

ग्रामीण सड़केः - यह सड़के गांव को नजदीक के शहरों से जोड़ती है।

सीमान्त सड़केः - सीमान्त सड़क संगठन द्वारा रखरखाव किया जाता है।

एक्सप्रेस राष्ट्रीय महामार्गः - इनकी लम्बाई 14,846 किमी है तथा इनका निर्माण 1999-2007 के बीच किया गया, इनमें 4 व 6 लेन है। इनको इस नाम से जाना जाता है।

1. **स्वर्णिम चतुर्भुज** ये दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई व कोलकाता है। इसकी लम्बाई 5846 किमी है।
2. **उत्तर-दक्षिण व पूर्व-पश्चिम गलियारा :** - ये श्रीनगर से कन्याकुमारी तथा सिलचर से पोरबन्दर को जोड़ते है। इनकी लम्बाई 7300 कि0मी0 है।
3. इस सड़क मार्ग की लम्बाई 1157 कि0मी0 है जो 10 दस प्रमुख पत्तनों को जोड़ती है। कांदला, जवाहर लाल नेहरू, मारमोगॉव तूतीकोरन, चेन्नई, इन्नौर, विशाखापटनम, पारादीप व हल्दीया। यह सभी महामार्ग, बनाओ, चलाओ और सौपो के नीति पर आधारित है।

रेलमार्गः -हमारे देश में रेलमार्ग लगभग 157 वर्ष पुराना है। देश में रेलमार्ग की कुल लम्बाई 63,221 कि0मी0 है। **भारत में एशिया का दूसरा बड़ा नेटवर्क जाल** तथा **विश्व का छठां बड़ा नेटवर्क** है। रेलवे लगभग 40,000 लाख यात्री व 4000 लाख टन माल का परिवहन करता है।

रेलवे में सुधारः -मीटर गेज लाईन को बड़ी लाईन में बदला गया। भाप के ईंजन के स्थान पर डीजल व विद्युत ईंजन चलाये गये है। इसके अलावा, अमान व गेज परिवर्तन का कार्य भी करवाया जा रहा है। इसके अलावा तीव्रगामी ट्रेन व सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

रेलवे के तीन गेज होते हैः -

1) नेरो (संकरा) गेज (.0762 मी0)

2) मीटर गेज (1.000 मी0)

3) ब्रॉड गेज (1.675 मी0)

रेलवे का 70.5% गेज ब्रॉड गेज है। 24% मीटर गेज व 5.5 प्रतिशत लगभग नेरो गेज है।

पाईप लाईनः -पाईपलाईन पहले जल परिवहन के लिए इस्तेमाल होती थी लेकिन अब कच्चा तेल, पैट्रोल, व प्राकृतिक गैस आदि में भी इस्तेमाल होती है।

मुख्य पाईपलाईन परिवहनः -

1. असम के तेल क्षेत्र से कानपुर
2. सलाया गुजरात से पंजाब के जालंधर तक
3. हाजीरा गुजरात से जगदीशपुर उत्तरप्रदेश वाया बिजयपुर मध्यप्रदेश।

अतः स्थलीय जलमार्गः -इसकी लम्बाई 14,500 कि0मी0 सरकार ने निम्न जलमार्गो को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया है।

1. गंगा नदी में इलाहाबाद से हल्दीया (1620 कि0मी0)
2. ब्रह्मपुत्र नदी में सदीया से धुबरी तक (891 कि0मी0)
3. कोल्लम से कोटपुरम (168 कि0मी0)
4. चम्पकरा नहर (14 कि0मी0)
5. उधोगमण्डल नहर (22 कि0मी0)

वायुमार्गः-वायुमार्ग परिवहन का सबसे तीव्रतम साधन है और सबसे मंहगा भी। 1953 में वायुपरिवहन की शुरुआत हुई। भारत में आन्तरिक सेवाएँ इण्डियन एयरलाईन्स सेवा प्रदान करती है तथा अर्न्तराष्ट्रीय सेवाएँ एअर इण्डिया प्रदान करती है। तथा पवनहंस हेलीकोपटर तेल व प्राकृतिक गैस आयोग को अपतटीय तेल क्षेत्र में सेवाएँ प्रदान करता है। तथा इण्डियन एयरलाईन्स ने भी अपनी सेवाओं का विस्तार निकटवर्ती देशों तक कर दिया है।

वायुपरिवहन के प्रकारः-देश में दो प्रकार के वायु पत्तन हैं।

1. ***अर्न्तराष्ट्रीय***
2. ***घरेलू।***

अर्न्तराष्ट्रीय वायुपतनः- दिल्ली, मुम्बई, कोलकता, चेन्नई, त्रिवेन्द्रम या तिरुअनन्तपुरम) बेंगलुरु, अमृतसर, हैदराबाद, अहमदाबाद, पणजी, गुवाहाटी, कोचीन।

घरेलू वायुपतनः- देश में 63 घरेलू वायुपतन है जिसका देश के विमान सस्थान द्वारा प्रबन्धन किया जाता है।

समुद्रीपतनः- देश में 12 बड़े व 181 मध्यम छोटे प्रकार के पत्तन हैं|

पश्चिम तट के प्रमुख पत्तन ः- कांदला, मुम्बई, जवाहरलाल नेहरु ¼नावा शेवा) मारमोगावं, न्यू मंगलोर, एवं कोचीन

पूर्वी तट के प्रमुख पत्तनः- कोलकाता, हल्दीया, पारादीप, विशाखापटनम, चेन्नई, एवम तूतीकोरन।

सबसे बड़ा बन्दरगाह ः- मुम्बई।

संचारः- संचार को दो भागों में बाँटा जा सकता है।

व्यक्तिगत संचार व जनसंचार, व्यक्तिगत संचार में पोस्टकार्ड, पत्र, टेलीग्राम, टेलीफोन, इन्टरनेट आदि आते हैं । जनसंचार में किताबें, मैंगज़ीन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन एवंम् सिनेमा, यह दो प्रकार के हैं। 1. छापाखाना 2. इलेक्ट्रोनिक माध्यम आदि।

व्यक्तिगत लिखित संचारः- भारतीय डाक विभाग जिसके लगभग 1.5 लाख डाकघर भारत में कार्यरत हैं |

प्रथम श्रेणी डाकः-वह डाक जो वायुमार्ग द्वारा जाती है।

द्वितीय श्रेणी डाकः-डाक जो जल व भूमि के मार्ग से पहुँचती है।

जनसंचारः-रेडियोटेलीविजन, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, किताबें और सिनेमा आदि।

अर्न्तराष्ट्रीय व्यापारः- ः-दो देशो के बीच व्यापार को अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार कहते हैं।

व्यापारः-दो व्यक्तियों, राज्यों व देशों के मध्य वस्तुओं का आदान-प्रदान करने को व्यापार कहते हैं।

आर्थिक सकेंतकः-देश का अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार में स्थिति।

व्यापार सन्तुलनः-आयात व निर्यात में अन्तर

अनुकुल व्यापार सन्तुलनः-हमारे निर्यात मूल्यों का आयात मूल्यों से अधिक होना।

प्रतिकूल व्यापार सन्तुलनः-हमारे आयात मूल्यों का निर्यात मूल्यों से अधिक होना।

प्रयर्टन व व्यापारः-पर्यटन देश में एकता को बढ़ावा देता है। जिससे अर्न्तराष्ट्रीय समझ विकसित होती है तथा हस्तशिल्प व सांस्कृतिक गतिविधियों को बल मिलता है। देश में विदेशी पर्यटको की संख्या 23.5 प्रतिशत बढ़ी 2004 में 2003 की अपेक्षाकृत तथा लगभग 21828 करोड़ की विदेशी मुद्रा का सर्जन हुआ।

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न

१. छः लेन वाले राजमार्ग कहलाते हैं

उत्तर–स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग

२. स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग का रखरखाव कौन करता है

उत्तर– एन०एच०ए०आई०

३. गाँवों को मुख्य कस्बों से जोडने वाली सडक परियोजना का नाम-

उत्तर– पी०एम०जी०एस०वाई०

४. सीमान्त सडकों का निर्माण करता है

उत्तर–बी० आर० ऑ०

५. घर–घर सेवाएँ उपलब्ध कराता है-

उत्तर– सडक परिवहन

६. भारी और स्थूलकाय वस्तुओं का प्रमुख पारदेशीय वाहक-

उत्तर– जल परिवहन

७. भारी और स्थूलकाय वस्तुओं का भारत में प्रमुख वाहक-

उत्तर–रेल परिवहन

८. यात्री और माल ढुलाई का भारत में प्रमुख वाहक

उत्तर– रेल परिवहन

९. बडी लाइन के दो पटरियों के मध्य दूरी

उत्तर–१.६७६ मी०

१०. भारत में प्राकृतिक बन्दरगाह

उत्तर–मुम्बई

११. भारत में सबसे बडा प्राकृतिक बन्दरगाह

उत्तर– मुम्बई

१२. विश्व में सर्वाधिक चलचित्रों का निर्माता देश-

उत्तर–भारत

१३. ए०आई०आर० संक्षिप्त रूप है

उत्तर- आकाशवाणी

१४. पूर्वी–पश्चिमी गलियारे के सीमान्त छोर---

उत्तर– सिलचर और पोरबन्दर

१५. कौन सा परिवहन का साधन वहनांतरण हानियों और देरी को घटाता है

उत्तर– पाइपलाइन

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न.१– अन्तरराष्ट्रीय व्यापार से आप क्या समझते हैं? व्यापार संतुलन से आप क्या समझते हैं? व्यापार का क्या महत्त्व है ?

उत्तर– दो देशों के मध्य व्यापार को अन्तरराष्ट्रीय व्यापार कहते है। इसमें वस्तुओं, सेवाओं, ज्ञान और जानकारी का आदान–प्रदान होता है ।

दो देशों के मध्य आयात–निर्यात के मध्य अन्तर को व्यापार संतुलन कहते हैं । इस के दो प्रकार हैं–

(अ) ***अधिशेष व्यापार***–जब माल और सेवाओं के निर्यात का मूल्य माल और सेवाओं के आयात के मूल्य से अधिक हो तो उसे अनुकूल व्यापार संतुलन कहते हैं ।

(ब) ***व्यापार घाटा***– जब माल और सेवाओं के आयात का मूल्य माल और सेवाओं के निर्यात मूल्य से अधिक हो तो उसे प्रतिकूल व्यापार संतुलन कहते हैं ।

व्यापार का महत्त्व :

(अ) संसाधन सीमित और विखरे हुए हैं, अतः कोई भी देश व्यापार के बिना जीवित नहीं रह सकता है।

(ब) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार से आर्थिक प्रगति, व्यापारियों के लिए व्यापार, श्रमिकों के लिए रोजगार और देश की संवृध्दि होती है ।

(स) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार से हमें विदेशी मुद्रा मिलती है जिससे वस्तुओं का आयात किया जा सकता है

(द) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार से प्रौद्योगिकी के हस्तान्तरण में मदद मिलती है ।

प्रश्न.२– भारत में परिवहन के प्रमुख साधन बताएं।

उत्तर– भारत में परिवहन के प्रमुख साधन–

(अ) रेल परिवहन (ब) पाइपलाइन (स) सडक परिवहन (द) जल परिवहन (इ) वायु परिवहन

प्रश्न.३– जन संचार के साधन क्या हैं ? किन्ही दो साधनों की व्याख्या करिए ।

उत्तर– वे संचार के साधन जिनके द्वारा एक साथ और एक समय में बहुत लोगो से संवाद स्थापित किया जाए उन्हें जन संचार के साधन कहते हैं । जैसे– रेडियों, समाचार पत्र तथा टेलीविजन

टेलीविजन: (अ) यहदुनियाँ में सबसे लोकप्रिय और आवश्यक नेटवर्कों में से एक है ।

(ब) यह दर्शकों का मनोरंजन और सूचनाओं को प्रदान करता है ।

रेडियो: (अ) यह संचार का सबसे सस्ता तथा कारगर तरीका है ।

(ब) यह दर्शकों का मनोरंजन और सूचनाओं को प्रदान करता है ।

प्रश्न.४– भारत में विभिन्न प्रकार की सडकें कौन सी हैं ?

उत्तर– भारत में छह प्रकार की सडकें हैं–

(अ) स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग (ब) राष्ट्रीय राजमार्ग (स) राज्यीय राजमार्ग

(द) जिला सडकें (इ) अन्य सडकें या ग्रामीण सडकें (ई) सीमा सडक

प्रश्न.५– पाइपलाइन परिवहन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– प्लास्टिक की ट्यूबों या टिकाऊ धातु के पाइपों द्वारा तरल, गैसीय अथवा स्लरी (slurry) द्रव्यों का परिवहन पाइपलाइन परिवहन कहा जाता है। यह कच्चे तेल, पेट्रोलियम पदार्थो, प्राकृतिक गैसों, तरल अवस्था में ठोस पदार्थों जैसे– लौह अयस्क के परिवहन में सबसे उपयुक्त माध्यम है।

जैसे–

(अ) असम से कानपुर तक तेल पाइपलाइन (ब) एच०वी०जे० पाइपलाइन

<u>दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</u>

प्रश्न.१– पर्यटन से आप क्या समझते हैं और इससे क्या लाभ है?

उत्तर– पर्यटन का अर्थ उस यात्रा से है जो कि सामान्यतया एक से अधिक दिनों तक अपने पर्यावरण के बाहर जाकर की जाए जिसमें अवकाश, आमोद–प्रमोद, व्यापार या ऐसी ही अन्य गतिविधियों की जाए। पर्यटक दूसरी जगह सांस्कृतिक, धार्मिक, पर्यावरणीय, साहसिक, चिकित्सा तथा विरासत पर्यटन के लिए जाते हैं। पर्यटन से निम्न लाभ है :

(अ) रोजगार के अवसरों का सृजन (ब) राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा

(स) स्थानीय संस्कृति और हस्तशिल्प उद्योग को समर्थन (द) सांस्कृतिक आदान प्रदान में सहायक

(इ) धन अर्जन में सहायक

प्रश्न.२– परिवहन से क्या लाभ है?

उत्तर–(अ) लोगों के एक जगह से दूसरी जगह आवागमन में सहायक

(ब) माल और सामग्री की ढुलाई में सहायक

(स) उत्पादन और वितरण में सहायक

(द) बाजारों को उत्पादन केन्द्रों से जोड़ता है

(इ) माल और सेवाओं की आपूर्ती में सहायक

(ई) व्यापार और वाणिज्य के विकास और प्रसार में सहायक

(व) व्यापार की मात्रा और आवृति को बड़ाने में सहायक

प्रश्न.३– भारत से आयात और निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएँ कौन–कौन सी हैं?

उत्तर– ***भारत से आयातित वस्तुएँ:***

(अ) कृषि और संबन्धित उत्पाद (ब) खनिज और अयस्क

(स) आभूषण और रत्न (द) रसायन और संबन्धी उत्पाद

(इ) इंजीनियरिंग और पेट्रोलियम उत्पाद

भारत से निर्यातित वस्तुएँ:

(अ) पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पाद (ब) मोती और कीमती पत्थर

(स) अकॉर्बनिक रसायन (द) कोयला, कोक और ब्रिकेट (इ) मशीनरी

प्रश्न.४– भारत में सडक परिवहन की क्या–क्या समस्याएँ हैं?

उत्तर–(अ) बढ़ते यातायात के लिए सडकें अपर्याप्त (ब) लगभग आधीसडकें पक्की नहीहैं

(स) राष्ट्रीय राजमार्ग अपर्याप्त हैं और उनका रखरखाव खराब है

(द) शहरों में सड़केंभीड़-भाड़ युक्त है और इनमें सुरक्षा की कमी है

(इ) अधिकांश पुल और पुलियाँ संकीर्ण और पुरानी हैं

(ई) सुरक्षा उपायों का अभाव है

प्रश्न५ – भारत में रेल परिवहन की क्या विशेषताएँ हैं?

उत्तर–(अ) भारी माल और सामग्री के यातायात के लिए सबसे उपयोगी परिवहन

(ब) लम्बी दूरी के लिए वायु और सडक परिवहन से सस्ता साधन

(स) लोगों को बडी संख्या में रोजगार प्रदान करता है

(द) भारत सरकार का यह सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बडा उपक्रम है

(इ) भारत में सवारी और माल ढुलाई का सबसे मुख्य साधन

(ई) रेलवे माल ढुलाई, व्यापार, तीर्थ और दर्शनीय स्थलों की यात्रा जैसे बहु आयामी कार्यों को अन्जाम देता है

(व) यह लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है

(द) यह लंबी दूरी की यात्रा के लिए आरामदायक सेवा प्रदान करता है

(य) यह कृषि और उद्योगों के विकास को गति प्रदान करता है

प्रश्न६– भारत में रेल परिवहन की क्या–क्या समस्याएँ हैं?

उत्तर–(अ) स्थापना के समय भारी निवेश की आवश्यकता (ब) मरम्मत और रखरखाव महँगा

(स) दुर्गमपहाड़ियों और रेगिस्तान में निर्माण मुश्किल

(द) सड़ने वाली वस्तुओं के परिवहन के लिए अनुपयुक्त

(इ) बिना टिकट यात्री

(ई) चोरी और रेलवे संपत्ति का नुकसान

(उ) अनावश्यक चेन खीचकर ट्रेन रोकना

(ऊ) गेज परिवर्तन की समस्या

(ए) बारिस में पटरियों का डूब और फिसल जाना

(ऐ) आधुनिकीकरण और विद्युतीकरण की समस्या

राजनीतिशास्त्र

अध्याय - 5, जन संघर्ष और आंदोलन

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न

प्र- 1 नेपाल संवैधानिक राजतंत्र कब बना?

1990 में

प्र- 2 2006 में नेपाल में हुए आंदोलन की प्रमुख माँग क्या थी?

लोकतंत्र की स्थापना

प्र-3 2006 में नेपाल का नया प्रधानमंत्री कौन बना?

गिरजा प्रसाद कोईराला

प्र-4 नेपाल में लोकतंत्र की पुनः स्थापना करने के लिए नेपाली लोगों ने किस संगठन का सहारा लिया?

सातपार्टिओं का समूह

प्र- 5 किस दिन नेपाल के राजा (ज्ञानेंद्र) को SPA की सारी मांगे माननी पड़ी?

21 अप्रैल 2006

प्र- 6 बोल्विया का आंदोलन किस नाम से जाना जाता है?

बोल्विया का जल युद्ध

प्र- 7 FEDECOR किस देश से संबध रखता है बोल्विया

प्र- 8 2006 में कौन सी पार्टी ने बोल्विया की कमान संभाली?

(अ) लोकतांत्रिक पाटो

प्र-९ नागरिक हित के रूप में **कार्य करने वाला समूह है -**

FEDECOR(फेडकोर)

लघूत्तरात्मक **प्रश्न**:-

प्र-1 नेपाल ने लोकतंत्र कब जीता? लोकतंत्र स्वीकारने के बाद लोकतांत्रिक नेपाल की दो विशेषताएँ लिखो।

उत्तर नेपाल ने 1990 में लोकतंत्र जीता:-

विशेषताएँ:-

(1)राजा ही देश में सर्वोच्च था, लेकिन असली ताकत लोगो के चुने हुए प्रतिनिधियों के हाथ में थी।

(2)राजा वीरेन्द्र जो की पूर्ण राजतंत्र से संविधानिक राजतंत्र को स्वीकार कर लिया था वो शाही परिवार के गुप्त हत्याकांड में 2001 में मारे गए।

प्र-२ बोल्विया के जल युद्ध में भाग लेने वाले आंदोलनकारियों की सूचो बनाइए।

उत्तर (1) बोल्विया में आंदोलन किसी राजनीतिक पार्टी के द्वारा नहीं लड़ा गया बल्कि इसे लड़ाने वाली फेडेकोर की नाम संस्था थी।

(2) इन संगठन में इंजीनियर ओर पर्यावरणवादी समस्त स्थानीय कामकाजी लोग शामिल थे।

(3) इस संगठन को सिंचाई पर निर्भर किसानों के एक संघ कारखाना मजदूरों के संगठन के परिसंघ, कोचबंबा विश्व विद्यालय के छात्रों तथा शहर में बढ़ती बेघर-बार बच्चों की आबादी का समर्थन मिला।

प्र-३ एक राजनीतिक पार्टी और दबाव समूह के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए-

उत्तर (1) बतौर संगठन दबाव-समूह सरकार की नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं जबकि राजनीतिक पार्टियाँ चुनाव लड़कर सत्ता हासिल करती हैं ।

(2) दबाव समूह का निर्माण एक ही काम और सोच वाले लोग करते हैं जबकि राजनीतिक पार्टी का निर्माण प्रेरणा लेकर किया जाता है।

(3) दबाव स्पष्ट केवल अपना एक हित ही दर्शाते है जबकि राजनीतिक पार्टी कई हित दर्शाती है।

प्र-४ जन-सामान्य हित समूह क्या है? ये जन-सामान्य के हित को कैसे दर्शाते हैं ?

उत्तर हित समूह अमूमन समाज के किसी खास हिस्से अथवा समूह के हितों को बढ़ावा देना चाहते है। कुछ संगठन समाज के किसी एक तबके के ही हितों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। ये संगठन सर्व-सामान्य हितों की नुमाइदगी करते हैं जिनकी रक्षा करना जरूरी होता है।

(1) वे अपने लक्ष्य तथा गतिविधियों के लिए जनता का समर्थन और सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते है।

(2) ऐसे अधिकार समूह मीडिया को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं ताकि उनके मामलों पर मीड़िया ज्यादा ध्यान दे।

(3) ऐसे समूह अक्सर हड़ताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहुँचाने जैसे उपायों का सहारा लेते हैं।

प्र- 7 वर्ग विशेष हित समूह क्या है? ये कैसे अपने हित को देखते हैं।

उत्तर वर्ग विशेष हित समूह अमूमन समाज के किसी खास हिस्से अथवा समूह के हितो को बढ़ावा देना चाहते है। मजदूर संगठन

व्यावसायिक संघ और पेशेवरों (वकील, डाक्टरो, शिक्षक आदि) के निकाय इस तरह के दबाव समूह के उदाहरण हैं।

(1) ऐसे समूह अपनी भलाई के लिए नहीं समाज के दूसरों लोगो की मदद करते हैं। उदाहरण के लिए ऐसे समूह अपनी भलाई के लिए नहीं बल्कि बंधुआ मजदूरी के बोझ तले पिस रहे लोगों के लिए लड़ते हैं।

(2) कभी-कभी ये संगठन सर्व सामान्य हितों की नुमाइंदगी करते हैं।

(3) वे सरकार पर दबाव डालते हैं ताकि उनकी माँगे पूरी हो सकें।

निबन्धात्मक**प्रश्न** :-

प्र-१ क्या दबाव समूह और आंदोलन के प्रभाव लोकतंत्र में सकारात्मक होते है?

उत्तर हाँ, शासको के ऊपर दबाव डालना लोकतंत्र में कोई अहित कर गतिविधि नहीं बशर्ते इसका अवसर सबको प्राप्त हो।

(1) लोकतांत्रिक शासन को समाज के हर हिस्से की तरफ ध्यान देना चाहिए ना कि किसी एक हिस्से पर

(2) ये समूह लोगों को अपनी मांगो के लिए सरकार के खिलाफ आवाज उठाने में मदद करते हैं।

(3) ये दबाव समूह अलग-अलग विचारों वाले समाज के विभिन्न वर्गो की माँगो के बीच संतुलन बनाए रखते है।

(4) दबाव समूह और आंदोलनों के कारण विश्व में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हुई है।

प्र- २ बोलिविया के प्रसिद्ध आंदोलन का वर्णन कीजिए-

उत्तर (1) बोलिविया लाविनी अमरीकी का एक गरीब देश है। विश्व बैंक ने यहां की सरकार पर नगरपालिका द्वारा की जा रही जलापूर्ति से अपना नियंत्रण छोड़ने के लिए दबाव डाला।

(2) सरकार ने कोचबंबा शहर में जलापूर्ति के अधिकार एक बहुराष्ट्रीय कंपनी को बेच दिए।

(3) इस कंपनो ने आनन-फानन में पानी की कीमत में चार गुना इजाफा कर दिया।

(4) अनेक लोगों का पानी का मासिक बिल 1000 रूपये तक जा पहुँचा जबकि बेलिविया के लोगों की औसत आमदनी 5000 रूपये महीना है।

(5) सन् 2000 की जनवरी में श्रमिकों मानवाधिकार कार्यकताओं तथा सामुदायिक नेताओं के बीच एक गठबंधन ने आकार ग्रहण किया और इस गठबंधन ने शहर में चार दिनों की कामयाब आम हड़ताल की। सरकार बातचीत के लिए राजी हुई और हड़ताल वापस ले ली गई। फिर भी कुछ हासिल नहीं हुआ।

(6) फरवरी में आंदोलन शुरू हुआ लेकिन इसका पुलिस ने बर्वरता पूर्वक दमन किया।

(7) अप्रैल में एक और हड़ताल हुई और सरकार ने मार्शल लॉ लगा दिया।

(8) लेकिन, जनता की ताकत के आगे बहुराष्ट्रीय कम्पनी के अधिकारियों को शहर छोड़कर भागना पड़ा। सरकार को आंदोलनकारियों की सारी मांगे माननी पड़ी।

अध्याय - 6, राजनीतिक दल:-

<u>अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्र-1 कौनसी संस्था लोकतंत्र में सबसे अधिक दिखाई देती है?

जनता

प्र-2 भारत के चुनाव आयोग में नाम पंजीकरण कराने वाले राजनीतिक दलों की संख्या कितनी है?

750 से ज्यादा

प्र-3 किस राजनैतिक दल को राष्ट्रीय दल की मान्यता मिलती है?

6 कुल वोटों का 6 प्रतिशत हासिल करता है और लोक सभा में कम से कम 4 सोटों पर जीत दर्ज करता है।

प्र- 4 2006 में भारत में कितने राजनैतिकदलों को राष्ट्रीय दलों की मान्यता दी गई?

6

प्र- 5 भारत में लोकसभा द्वारा निर्वाचित किये हुए कितने निर्वाचक है?

543

प्र- 6 लोकसभा द्वारा निर्वाचित किया हुआ सबसे बड़ा निर्वाचन क्षेत्र कौनसा है?

लद्दाख

प्र- 7 किस समूह की हैसियत से भारतीय जनता पार्टी 1998 में सत्ता में आई?

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन

प्र-8 भारत में कौनसी दल व्यवस्था है?

बहुदलीय शासन व्यवस्था

प्र-9 उपचुनाव क्या है?

वह चुनाव जो किसी मृत्यु या अन्य कारण से खाली जगह को भरने के लिए।

प्र-10 बहुजन समाजपार्टी का गठन किसने किया?

काशीराम

लघूत्तरात्मक **<u>प्रश्न</u>**:-

प्र-1 हमें राजनीतिक दलों की आवश्यकता क्यों पड़ती है?

उत्तर (1) राजनीतिक दल लोकतंत्र व्यवस्था की संस्थाओं में अलग से दिखाई देते हैं।

(2) अधिकतर आम लोगों के लिए लोकतंत्र का मतलब राजनीतिक दल ही हैं।

(3) जनमत निर्माण में दल महत्तवपूर्ण भूमिका निभाते हैं और सरकार बनाते हैं।

प्र-2 बहुदलीय शासन व्यवस्था के कोई तीन गुण लिखो।

उत्तर (1) इसमें अनेक दल सत्ता के लिए होड़ में हो और दो दलों से ज्यादा के लिए अपने दम पर या दूसरों से गठबंधन करके सत्ता में आने का अवसर रहता ह।

(2) इस प्रणाली में विभिन्न हितों और विचारों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाता है।

(3) भारत में भी ऐसी ही एक बहुदलीय व्यवस्था है और 15 साल से लगातार गठबंधन सरकार ने आबादी के हर हिस्से का फायदा किया है।

प्र-3 राजनीतिक दलों की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर (1) यह एक लोगों का ऐसा समूह है जो चुनाव लड़ने और सरकार में राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करता है।

(2) समाज के सामूहिक हित को ध्यान में रखकर यह समूह कुछ नीतियां और कार्यक्रम तय करता हैं।

(3) वे लोगों का सर्मथन पाकर सर्मथन पाकर चुनाव जीतने के बाद उन नीतियों को लागू करने का प्रयास करते हैं।

(4) किसी दल की पहचान उसकी नीतियों और उसके सामाजिक आधार से तय होती है।

*दीर्घ उत्तरात्मक***प्रश्न** :-

प्र-1 राजनीतिक दलों के प्रमुख कार्य क्याहैं ?

उत्तर (1) दल चुनाव लड़ते हैं।

(2) दल नीतियाँ और योजना बनाते हैं।

(3) कानून बनाते हैं।

(4) सरकार बनाते और चलाते हैं।

(5) विरोधी दल की प्रमुख भूमिका निभाता है।

(6) जनमत का निर्माण करते हैं।

(7) सरकारी मशीनरी और सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों को लोगों तक पहुँचाना।

प्र-2 भारत की राजनीतिक दलों के सामने क्या चुनौतियां है?

उत्तर (1) आंतरिक लोकतंत्र की कमी

(2) वंशवाद की चुनौती

(3) पैसा और अपराधी तत्वों को बढ़ती घुसपैठ

(4) मतदाताओं के लिए सार्थक विकल्प की कमी

प्र-3 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मुख्य रूप क्या है?

उत्तर (1) कांग्रेस पार्टी का गठन1885 में हुआ और इसका कई बार विभाजन हुआ।

(2) 1871 तक लगातार और फिर 1980 तक और 2000 से आगे तक इसने देश पर शासन किया।

(3) इस दल ने धर्मनिरपेक्षता आर कमजोर वर्गों तथा अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को अपना मुख्य ,जेंड़ा बनाया है।

(4) यह दल नयी आर्थिक नीतियों का समर्थक है पर इस बात को लेकर भी सचेत है कि इन नीतियों का गरीब और कमजोर वर्गों पर बुरा असर न पड़े।

(5) 2004 में हुए लोकसभा चुनाव में 145 सीटें जीतकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में उभरी।

(6) अभी केन्द्र के शासन करने वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का नेतृत्व यही दल कर रहा है।

प्र- 4 अलग-अलग देशों में जो दल व्यवस्थाएँ है उनका उल्लेख करें।

उत्तर विश्वभर में तीन दलीय व्यवस्थाएँ होती है-

(1) *एक दलीय शासन व्यवस्था:-* वह व्यवस्था जिसमें एक दल को काम काज करने, नियंत्रित करके तथा सरकार चलाने की आज्ञा होती है। उदाहरण - चीन

(2) *दो-दलीय शासन व्यवस्था :-* कुछ देशों में सत्ता आमतौर पर दो मुख्य दलों के बीच ही बदलती रहती है। वहाँ अनेक दूसरी पार्टियाँ हो सकतीहैं, वे भी चुनाव लड़कर कुछ सीटें जीत सकती हैं पर सिर्फ दो ही दल बहुमत पाने और सरकार बनाने के प्रबल दावेदार हाते हैं।

(3) *बहुदलीय व्यवस्था :-* जब अनेक दल सत्ता के लिए होड़ में हो और दो दलों से अधिक के लिए अपने दम या दूसरों से गठबंधन करके सत्ता में आने का ठीक-ठाक अवसर हो तो इसे बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं।

अध्याय - 7, लोकतंत्र के परिणाम

<u>अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्र- 1 किस प्रकार की सरकार लोकहित के लिए उत्तदायी होती है?

लोकतंत्र

प्रश्न 2 लोकतंत्र का सबसे महत्तवपूर्ण परिणाम कौन-सा है? उत्तरदायी सरकार और जिम्मेदार सरकार

प्रश्न 3 लोकतंत्र का आधार है?

बहुमत

प्रश्न 4 एक लोकतंत्र में नागरिक द्वारा सरकार के फैसले की प्रक्रिया जानने का अधिकार कहलाता है?

(अ) पारदर्शिता

प्रश्न 5 'लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए शासन है' यह कथन किसके द्वारा कहा गया?

(अ) अब्राहम लिंकन

प्रश्न ६ लोकतांत्रिक व्यवस्था क्या है-

जहाँ लोग अपने प्रतिनिधि चुनते

लघूत्तरात्मक प्रश्नः-

प्रश्न 1 लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी, जिम्मेदारी और वैध सरकार का गठन करता है?

उत्तर (1) लोकतंत्र में लोगों के द्वारा चुनी गई सरकार ही उन पर शासन करती है।

(2) चुने हुए व्यक्ति सरकार बनाते हैं एवं नीतियों पर फैसले लेते हैं, तथा सरकार चलाते हैं।

(3) लोगों के द्वारा चुनी हुई सरकार उनके प्रति उत्तरदायी होती है।

प्रश्न 2 किस प्रकार लोकतंत्र एक साफ सुथरी सरकार का परिभाषित करता है-

उत्तर (1) सारे निर्णय लोगों द्वारा चुने गए शासकों द्वारा लिए जाते है।

(2) लोकतंत्र में आम नागरिक वर्तमान शासकों को चुनावों के द्वारा बदल सकते हैं।

(3) लोकतंत्र सभी प्रकार के नागरिको को एक समान अवसर एवं विकल्प प्रदान करता है।

(4) लोकतंत्र राजनीतिक अधिकारों के अलावा कुछ सामाजिक व आर्थिक अधिकार भी प्रदान करता है।

(5) सत्ता का बंटवारा लोकतंत्र का एक मुख्य लक्षण है एवं यह सरकार और सामाजिक समूहों के बीच होना चाहिए।

प्रश्न 3 'लोकतांत्रिक सरकार अपने सभी विकल्पों से बेहतर है' स्पष्ट करो-

उत्तर (1) लोकतंत्र एक वैध सरकार है।

(2) यह सुस्त एवं कम कार्य कुशल हो सकती है प्रायः उत्तरदायी नहीं होती है। परन्तु यह लोगों की अपनी सरकार होती है।

(3) लोकतंत्र को विश्व में अत्यधिक समर्थन है न केवल वे देश जहाँ लोकतंत्र है, अपितु वे देश जहाँ लोकतंत्र नही है भी इसका समथन करते हैं।

प्रश्न 4 लोकतंत्र किस प्रकार सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य बैठाता है?

उत्तर (1) लोकतंत्र का सीधे-सीधे अर्थ बहुमत की राय से शासन करना नहीं है। बहुमत को सदा अल्पमत का ध्यान रखना होता है, तभी सरकार जन-सामान्य का प्रतिनिधित्व कर पाती है।

(2) बहुमत के शासन का अर्थ धर्म नस्ल अथवा भाषायी आधार पर बहुसंख्यक समूह का शासन नहीं होता। बहुमत के शासन का मतलब होता है कि हर फैसले या चुनाव में अलग-अलग लोग और समूह बहुमत का निर्माण कर सकते है या बहुमत में हो सकते हैं।

(3) लोकतंत्र तभी तक लोकतंत्र रहता है जब तक प्रत्येक नागरिक को किसी-किसी अवसर पर बहुमत का हिस्सा बनने का मौका मिलता है।

प्रश्न 5 किन बातों से पता चलता है कि लोकतंत्र में अभी भी खामियाँ हैं।

उत्तर (1) मतदाता चुनावों में रूचि नहीं लेते है।

(2) उम्मीदवारों का उद्देश्य केवल चुनाव जीतने का होता है।

(3) आधुनिक लोकतंत्र वास्तव में पूंजीवादी है।

(4) लोकतंत्र में अधिक मात्रा में समय और संसाधनों की बर्बादी होती है।

(5) राजनीतिक दल जिनका आधार लोकतंत्र है परंतु वे स्वयं लोकतांत्रिक नहीं होते है।

प्रश्न 6 लोकतंत्र और तानाशाही में अंतर स्पष्ट करों।

उत्तर (1) संक्षेप में लोकतंत्र में लोगों की लोगो द्वारा एवं लोगों के लिए सरकार होती है। जबकि तानाशाही में एक शक्तिशाली व्यक्ति का राज होता है।

(2) लोकतंत्र में सरकार व्यक्ति - केन्द्रित होती हैं, लोगों के कल्याण की भावना होती है जबकि तानाशाही शासन राज्य पर केन्द्रित होता है इसमें व्यक्ति राज्य के लिए समर्पित होते है।

(3) लोकतंत्र जनता के समर्थन से कार्य करता है, जबकि तानाशाही में बल का प्रयोग ही किया जाता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्नः-

प्रश्न 1 लोकतंत्र की क्या विशेषताएँ हैं, स्पष्ट करो।

उत्तर (1) निर्वाचित प्रतिनिधि (2) निर्वाचन (3) नागरिक स्वतंत्रता (4) कानून का शासन

(5) स्वतंत्र न्यायपालिका (6) संगठित विपक्षी दल (7) धर्म एवं संस्कृति की स्वतंत्रता

प्रश्न 2 तानाशाही की क्या विशेषताएँ हं?

उत्तर (1) सत्ता पर एकाधिकार (2) एक दल (3) बल प्रयोग में विश्वास

(4) कर्तव्य एवं अनुशासन पर अधिक बल (5) नस्ल की सर्वोच्चता में विश्वास

प्रश्न 3 'लोकतंत्रीय सरकार अन्य सरकारों से बेहतर है।' स्पष्ट करो। अथवा लोकतंत्र के गुणों को स्पष्ट करो।

उत्तर लोकतंत्र सभी प्रकार की सरकारों में श्रेष्ठ मानी जाती है एवं लोकतंत्र को आज अनेक देशो ने भी अपना लिया है। लोकतंत्र के निम्नलिखित लाभ हैं:-

(1) लोगों के हितों की सुरक्षा की गारंटी देता है।

(2) समानता के सिद्धांत पर आधारित

(3) प्रशासन में उत्तरदायित्व की भावना होती है।

(4) लोगों को राजनीति का ज्ञान होता है।

(5) विद्रोह की बहुत कम संभावनाऐं होती है।

(6) जनमत पर आधारित

(7) यह लोगों को एक अच्छा नागरिक बनने में सहायक होता है।

(8) यह सामाजिक विविधताओं एवं अंतरों का समावेश करता है।

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 लोकतंत्र की **कोई एक चुनौतीहै**-

विस्तार की चुनौती

प्रश्न 2 उस नियम का नाम बताओ जो लोकतांत्रिक **प्रणाली को और अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाता है।**

सूचना का अधिकार

प्रश्न 3 **कौन-सा नियम लोकतांत्रिक बदलावों के लिए उचित है-**

लोकतांत्रिक बदलाव जो लोगों के अधिकारों को उठाए

लघूत्तरात्मक प्रश्नः-

प्रश्न 1 **वोट डालने में लोगों के क्या सामान्य अधिकार है?**

उत्तर (1) लोगों के चुने गए नेता ही सारे महत्वपूर्ण फैसले लें।

(2) चुनाव लोगों को अपना वर्तमान नेता को हटाने चुनने का अधिकार दे।

(3) पसंद और चुनने का अधिकार सब लोगो के पास बराबर उपलब्ध हो।

(4) इस पसंद के उपयोग से एक ऐसी सरकार बनाओ जो संविधान और नागरिक अधिकार तक सीमित हो।

प्रश्न 2 **कैसे लोकतंत्र की जड़े मजबूत करने की चुनौतियाँ हर लोकतांत्रिक सरकार सहन करती है?**

उत्तर (1) यह संस्थाओं की मजबूती और लोकतंत्र की कोशिशों का शामिल करता है।

(2) ये उस तरह से होना चाहिए कि लोगो की लोकतंत्र से माँग पूरी हो।

(3) इसका मतलब उन संस्थाओं को मजबूत करना जो लोगों की भागीदारी में मदद करें।

(4) इसके लिए एक ऐसी कोशिश की जरूरत है जो अमीर लोगों के सरकार पर बढ़ते प्रभाव को घटा सकें।

प्रश्न 3 **लोकतंत्र की तीन चुनौतियों का वर्णन करें?**

उत्तर (1) स्थापना की चुनौतीः- जिन देशो में लोकतांत्रिक सरकार नहीं है उनमें लोकतंत्र की स्थापना करना।

(2) फैलने की चुनौती :- जिनमें लोकतंत्र स्थापित है उन्हें लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती का सामना करना पड़ता है।

(3) मजबूत करने की चुनौतीः- ये कई देशों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौती है। यह मजबूत करने वाली चुनौती है।

प्रश्न 4 **सरकार की स्थापना की चुनौती का क्या मतलब है। इस चुनौती की दो खूबी बताओ?**

उत्तर (1) जिन देशों में लोकतांत्रिक सरकार नहीं है उन में लोकतंत्र की स्थापना करना ये गैर लोकतांत्रिक सरकारों के पतन के बाद की चुनौती है

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न*:-*

प्रश्न 1 **भारत में लोकतंत्र की चुनौती के मुख्य कारण दो?**

उत्तर <u>*कुछ मुख्य चुनौतियाँः-*</u>

(1) सामाजिक व आर्थिक असमानता

(2) गरीबी

(3) अशिक्षित लोग

(4) जातिवाद

(5) साम्प्रदायिकता

(6) भाषाओं की समस्या

(7) हिंसा

प्रश्न 2 **किस तरह सांप्रदायिकता भारतीय लोकतंत्र के लिए बड़ी चुनौती है?**

उत्तर भारत एक काफी धर्मो का देश है जो लोगों को एक दूसरे से अलग करता है पर सब में एकता है। सारे धर्म भगवान का मानते है और लोगो को भाई समान मानते है। भगवान के प्रति पिता समान व्यवहार व लोगों के प्रति भाईचारा रखते है। सब सच्चाई, इमानदारी पर ध्यान देते है।

दूसरी तरफ राजनीतिक पार्टियों व धर्मो के मेल - जोल से प्रगति व विकास अवरूद्ध हुआ राष्ट्रीय एकता घटी। इससें एक समानता घटी जिसने राजनीतिक समानता को कम किया। इस तरह सांप्रदायिकता भारतीय लोकतंत्र के लिए बड़ी चुनौती है।

अध्याय . ३

मुद्रा और साख

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न

प्र. 1 वस्तुओंके बदले वस्तुओं का लेन-देन ....कहलाता है .

वस्तुविनिमय

प्र.2 करेंसी मुद्रा जारी की जाती है :

भारतीयरिजर्व बैंक

प्र.3 राष्ट्रीय सैंपल सर्वे एक संगठन है :

यहएकसंस्थाहैजो आकड़ेइकट्ठे करने के लिए औपचारिक /अनौपचारिक ऋण क्षेत्रों से इक्ट्ठा करने के लिए उत्तरदायी है

प्र.4 सोनेकामहलनामकसोनेकासिक्काकिसशासकसेसंबन्धितहै

अकबर

प्र.5 कौन-सी एजेंसी अनौपचारिक ऋण क्षेत्रक मे है

व्यापारी ,साहुकार,रिश्तेदार

प्र.**6 स्वयं सहायता समूह मे बचत और ऋण संबधित अधिकतर निर्णय लिए जाते हैं :**

सदस्यों द्वारा

प्र.7 ऋणकेऔपचारिकस्रोतहैं :

बैंक , सहकारी समिति , जीवन बीमा निगम

प्र 8. बाग्लादेश ग्रामीण बैंक के संस्थापक हैं :

मोहम्मद युनुस

<u>लघु उत्तरात्मक प्रश्न</u>

1) मुद्रा का अर्थ एँव कार्य बताएँ ।

उत्तर : मुद्रा विनिमय का एक माध्यम है ।मुद्रा के कार्यो को तीन भागों में बाँटा जाता है।

<u>1)प्राथमिक कार्य :</u>

क) विनिमय का एक माध्यम : इसका अभिप्राय यह है कि मुद्रा के रुप में एक व्यक्ति अपनी वस्तुओंको बेचता है तथा दूसरा वस्तु खरीदता है।

ख) मूल्य का मापदण्ड: मुद्रा लेखे की एक ईकाई एक् रुप मे मूल्य का मापदंड करती है। प्रत्येकवस्तु तथा सेवा का मूल्य मुद्रा के रुप में मापा जाता है।

<u>2) गौण या सहायक कार्य:</u>

क) स्थगित भुगतानों का मान : मुद्रा का भुगतान तत्काल न कर भविष्य के लिए स्थगित कर दिया जाता है क्योकि इसकामूल्यस्थिर रहता है। इसमे समान्य स्वीकृति का गुण पाया जाता है तथा यह अधिक टिकाउ है।

ख) मूल्य का संचय : मुद्रा की स्थिरता तथासंचयकरने मेंआसानी के कारण यह मूल्यसंचय का कार्य करती है।

मुद्रा का हस्तातंरण : मुद्रा मे तरलता तथा समान्य स्वीकृति का गुण होने के कारण
इसका एक स्थान से दूसरे स्थान पर हस्तातंरण संभव है।

प्र.2 भारत मे कौन सी मौद्रिक प्रणाली अपनाई है ?

उत्तर ; भारत ने प्रतिनिधित्व मूलक करेंसी नोट अपनाई है । इसके अलावा वाणिज्य बैंकऔर सहकार बैंकों के पास माँग जमाएँ ,रिजर्व वैक के पास
अन्य जमाँए डाक् घरोंमें जमाओं को शामिल किया जाता है।

प्र.3 बैंकिंग से क्या अभिप्राय है ?वाणिज्य बैक की मुख्य विशेषताएँ बताइए।

उत्तर: बैंक वह संस्था है जो जनता से जमा स्वीकार करती है तथा लोगों , फर्मो और सरकार को ऋण देती है।

वाणिज्य बैंक की मुख्य **विशेषताएँ** 1) वाणिज्य बैंक सावर्जनिक क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं ।

2) वाणिज्य बैंक अधिकतम लाभ के लिए कार्य करते हैं।

3) यह लोगों की जमाराशियों को स्वीकार करता है तथा ऋण देता है।

4) यह साख निर्माण करता है ।

प्र.4 माँग जमा राशियों तथा समयावधी राशियों में क्या अंतर है ?

उत्तर: 1 माँग जमाराशियाँ जमाकर्ता द्वारा बिना सूचना दिये किसी भी समय बापिस लिया जा सकता है सावधि जमाराशि कूछ निधारित समय के बाद निकाली जा सकती है

2. माँग जमाराशियाँ चैक योग्य होती हैं सावधि जमाराशि चैक योग्य नहीं होती हैं।

3. माँग जमा राशियाँ पर ब्याज का भुकतान नहीं किया जा सकता है जबकि समयावधी राशियों पर ब्याज का भुकतान किया जा सकता है।

प्र.5 वाणिज्य बैंको द्वारा किये गये अग्रिम ऋणों के विभिन्न रुप कौन-2 से हैं ?

उत्तर : वाणिज्य बैंक प्राय: तीन प्रकार के ऋण प्रदान करते हैँ

1) साधारण ऋण : यह ऋण उपभोग तथा निवेश के लिए दिया जाता है।

2) औवर ऋण : इस व्याख्या के में ग्राहकों को उनके खातों मे जमा राशि से ज्यादा धन के लिए जारी किये गये उनके चेकों के समान करते हुए भुकतान कर देते है।

3) छुट बिल : वाणिज्य बैंक आफ एक्सचेंज पर कटौती हो कर ऋण सुविधाओं का विस्तार करता है

<u>दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न</u>-

प्र.1 मुद्रा के ऐतिहासिक उत्पत्ति का वर्णन करो।

उत्तर: वस्तु विनिमय प्रथा की कठिनाईओं के कारण कालोँ मे विभिन्न वस्तुओं को मुद्रा के रुप मे प्रयोग किया गया।

1) पशु मुद्रा : सबसे पहले मनुष्य ने पशुओं को विनिमय के माध्यम मे प्रयोग किया।

2) वस्तु मुद्रा : मुद्रा के अविष्कार से पहले बस्तु को मुद्रा के रुप मे प्रयोग किया जाता था इन वस्तुओंमें अनाज ,चावल,
गेहुँ आदि को वस्तु मुद्रा के रुप मे प्रयोग किया जाता था।

3) पत्र मुद्रा : आधुनिक काल में सबसे अधिक प्रयोग होंने वाली मुद्रा कागजी मुद्रा है इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने और विनिमय में सुविधा रहती है।

4) साख मुद्रा : इस प्रकार मुद्रा के आगत बैंको के पास लोग अपने धन को जमा करवा देते हैं।

वे जब चाहे नगदी मैँ बैंक से ले सकते अथवा चेक के माध्यम से तीसरी पार्टी को इसका भुकतान किया जा सकता है। यह भुकतान डिमाँड ड्राफ्ट या चेक द्वारासंभव है।

प्र.**2 साख के संलग्न औपचारिक और अनौपचारिक संस्थाओं का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर : लोग विभिन्न स्रोतों से ऋण प्राप्त करते हैँ। विभिन्न प्रकार के **ऋणों** को दो वर्गोँमे बाँटा जाता है ।औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रक ऋण।

1) औपचारिक वित्तीय संस्थाएँ : इस वर्ग मे निम्नलिखित संस्थाएँ आती हैं क) वाणिज्यिक बैंक ख) केन्द्रीय बैंक ग) सरकारी एजेंसिओघ) भारतीय जीवन बीमा निगम

2) अनौपचारिक वित्तीय संस्थाएँ

साहुकार ,व्यापारी,मालिक ,रिश्तेदार आदि। अनौपचारिक ऋण दा ताओं से लिए गये उधार पर आमतोर से ब्याज की द रें बहुत अधिक होतीहैंइसलिए सहकारी समितियाँ को अपनी गतिविधियाँ विशेषकर ग्रामीण इलाकोंमें बढ़ाने की जरुरत है ताकि कर्जदारों की अनौपचारिक स्रोत पर निर्भरता घटे।

प्र.3 रिजर्व वैंक आफ इण्डिया का प्रमुख कार्य क्याहैं?

उत्तर : रिजर्व बैंक आफ इंडिया भारत का केन्द्रीय बैंक है इसके मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं

1) नोट निर्गमन का अधिकार : भारत मे एक रुपये और सिक्कों को छोड़ कर सभी करंसी नोटो का छापने का एकाधिकार रिजर्व बैंक आफ इन्डिया का है।
2) सरकार का बैंकर : रिजर्व बैंक केन्द्रीय केन्द्र सरकार के बैंकर के रुप मे कार्य करता है यह सावर्जनिक ऋणोँ का प्रबन्ध करता है तथा नये ऋणोँ का प्रबन्ध करता है ।सरकार को आर्थिक मामलों मे सलाह देने का कार्य करता है।
3) बैंको का बैंक : रिजर्व बैंक को वाणिज्य तथा सरकारी बैंको के निरीक्षण की शक्तियाँ प्रधान की गई है।संकट के समय यह व्यापारिक बैंको को आर्थिक सहायता प्रदान करता है 4) साख पर नियंत्रण : रिजर्व बैंक साख को नियंत्रित कर रचनात्मक उपाय अपनाकर देश मे साख की पूर्ति को नियंत्रण करता है।जिससे वाणिज्य ,कृषि उधोग और व्यापार की आवश्यकतओं की पूर्ति हो सके।

प्र.4) ग्रामीण भारत में स्वयं सहायता समूहों के प्रमुख कार्योँ के बारे मेंलिखें ।

उत्तर: **ग्रामीण** के लिये **स्वयं** सहायता सम**ूहों** को संगठित करने का कारण है कि लोग 15 से 20 सदस्यों के समूह मे नियमित रुप से मिलकर बचत क रें।यह बचत राशि प्रति व्यक्ति 5 से 100 रुपये तक बढ़ती रहती है।यह समूह इन सदस्यों को ऋण दे कर अपने समूह के सदस्यों की जरुरतों को पूरा करता है।ये सदस्य मिलकर सभी निर्णय लेते हैं। यह कर्जो पर व्याज लेता है लेकिन यह साहूकार के व्याज से कम होता है। ऋण का मकसद सदस्यों के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजन करना है। सदस्यों को कर्ज गिरवी जमीन छूड्वाने के लिए , घर बनाने, सिलाई की मशीन आदि खरीदने के लिए दिऐ जाते हैं।

प्र:5 बैंक जनता से जो धन जमा खातों में स्वीकार करते हैं , उनका क्या करते हैं ?

उत्तर: बैंक जमा का एक छोटा हिस्सा अपने पास नगद के रुप मे रखते हैं। इसे किसी एक दिन मे जमाकर्ता द्वारा धन निकालने की संभावना देखते हुए यह प्रावधान किया जाता है। बैंक जमाराशि के एक बड़े हिस्से को ऋण देने के लिऐ इसस्तेमाल करते हैं। इस तरह बैंक लोगों की ऋण आवश्यकतओंको पूरा करते हैं । बैंक जमा पर जो ब्याज देते हैंउससे ज्यादा ब्याज ऋण पर लेते हैंयह बीच का अंतर बैंको की आय का प्रमुख स्रोत है।

अध्याय- ४
वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

वैश्वीकरण का अर्थ है-हमारे देश की अर्थव्यवस्था के साथ दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था के साथ सामन्जस्य स्थापित करना जिसमें व्यापार, पूंजी और व्यक्तियों का सीमाओं के पार आदान-प्रदान करना।

कई देशों बाजारों में सामन्जस्य स्थापित करने को विदेशी व्यापार कहते है।

भारतीय योजना आयोग ने विदेशी व्यापार के विकास हेतु ज़ोर डालते हुए पंच वर्षी योजना के अन्तर्गत निम्न कारण दिए हैं-

१. कोई भी देश अपने प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग कर सकता है।
२. वह अपने अतिरिक्त उत्पादन को बाहर भेज सकते हैं|
३. वैश्वीकरण के माधयम से विदेशी व्यापार, रोजगार,कीमतें, उद्योगीकरण और आर्थिक विकास को नियंत्रित किया जा सकता है।
४. बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए निवेश को विदेशी निवेश कहते हैं
५. बहुराष्ट्रीय कंपनियों देशों को आपस में जोड़ने व एकता स्थापित करने में मुख्य भूमिका निभाती है। और आज विश्व में बहुत से देश एक दूसरे से जुड़े है, जैसा की पहले के दशकों में नही होता था।
६. बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने हमारी स्थापनीय कंपनीयों के साथ भरतीय अर्थव्यवस्था के उत्पादन में अहम भूमिका निभाई है।

उदाहरण-बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ निवेश के लिए मुद्रा प्रदान कर सकती है जैसे तेज़ उत्पादन के लिए नई मशीन खरीदना।

एक और उदाहरण- कार्गिल फ़ूड, अमरीका की सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी ने भारत की कई कंपनीयों, जैसे- पारख फ़ूड को खरीदा है।

<u>अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न</u>

१. एम०एन०सी० संक्षिप्त रूप है

बहुराष्ट्रीय निगम

२. बहुराष्ट्रीय निगमों द्वारा निवेश कहलाता है

विदेशी निवेश

३. विभिन्न देशों के एकीकरण की प्रक्रिया को कहा जाता है

वैश्वीकरण

४. बहुराष्ट्रीय निगम बढाते हैं

स्पर्धा , मूल्य युद्ध , गुणवत्ता

५. दो देशों के बीच वस्तुओं के लेनदेन को कहते हैं

विदेश व्यापार

६. वैश्वीकरण प्रेरित होता है

परिवहन

७. विभिन्न देशों में सेवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करता है

सूचना और प्रौद्योगिकी

८. आयात पर कर एक उदाहरण है

व्यापार अवरोध

<u>लघु उत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न १– डब्लू०टी०ओ०(विश्व व्यापार संगठन) के चार कार्यों को बताएँ।

उत्तर– विश्व व्यापार संगठन के चार कार्य

(अ) राष्ट्रों के मध्य व्यापार समझौतों का प्रबन्ध करना (ब) व्यापार वार्ता के लिए मन्च प्रदान करना

(स) व्यापार विवाद का निपटारा

(द) राष्ट्रीय व्यापार नीतियों को बनाए रखना

प्रश्न.२– डब्लू०टी०ओ०(विश्व व्यापार संगठन) के भारत पर क्या प्रभाव है?

उत्तर– डब्लू०टी०ओ०(विश्व व्यापार संगठन) के भारत पर प्रभाव

(अ) भारत को अन्य सदस्य देशों के साथ व्यापार का अवसर

(ब) भारत को कम मूल्य पर विदेशी प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण

(स) डब्लू०टी०ओ० के बहुत से नियम भारत जैसे विकासशील देशों के विरूद्ध हैं

(द) डब्लू०टी०ओ० के कुछ समझौते भारत की कृषि और खाद्यान्न सब्सीडी की नीति पर रोक लगाते हैं

प्रश्न.३–व्यापार अवरोध क्या है? सरकार व्यापार अवरोध का किस प्रकार प्रयोग कर सकती है?

उत्तर– व्यापार पर किसी भी प्रकार का प्रतिबन्ध व्यापार अवरोध है।

सरकार व्यापार प्रतिबन्धों का इस्तेमाल कर वस्तुओं के आयात और निर्यात को नियमित कर सकती है। साथ ही कौन सा सामान कितनी मात्रा में आयात और निर्यात किया जा सकता है उसको नियमित कर सकती है।

प्रश्न.४–निजीकरण और उदारीकरण क्या है?

उत्तर– निजीकरण का तात्पर्य निजी क्षेत्र को उन क्षेत्रों में निवेश की अनुमति देना जो पूर्व में सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित थे। व्यापार बाधाओं और प्रतिबन्धों को दूर करने को उदारीकरण कहते हैं।

अत:, निजीकरण और उदारीकरण द्वारा हमें एक बन्द और नियमित अर्थव्यवस्था से आजादी मिलती है।

प्रश्न.४– एम०एन०सी० अपने उत्पादन का विस्तार कैसे करती है?

उत्तर– बहुराष्ट्रीय निगम अपने उत्पादन का विस्तार निम्न तरीकों से करते हैं–

(अ) स्थानीय कम्पनियों के साथ संयुक्त उपक्रम या उत्पादन इकाई की स्थापना

(ब) स्थानीय कम्पनियों को खरीदकर (स) स्थानीय कम्पनियों को उत्पादन का आदेश एवं अधिकार देकर

प्रश्न.५–वैश्वीकरण के लिए उत्तरदायी तीन कारण कौन से हैं?

उत्तर–(अ) बहुराष्ट्रीय निगमों का उदय(ब) तकनीक का विस्तार (स) सूचना, संचार और परिवहन तकनीक में विकास

प्रश्न.६– वैश्वीकरण क्या है? वैश्वीकरण का भारत पर क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर–दो या दो से अधिक देशों के मध्य बहुराष्ट्रीय निगमों द्वारा व्यापार एवं विदेशी निवेश द्वारा संबन्ध स्थापित करना वैश्वीकरण कहा जाता है।

<u>वैश्वीकरण का भारत पर सकारात्मक प्रभाव</u>

(अ) उत्पाद और सेवाओं को अधिक विकल्प, अच्छी गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उपलब्ध कराता है।

(ब) बहुराष्ट्रीय निगमो का भारत में निवेश बढ़ा है।

(स) शीर्ष भारतीय कम्पनियाँ बहुराष्ट्रीय निगमों के रूप में उभरी हैं।

(द) आई०टी० क्षेत्र की कम्पनियों के लिए नई संभावनाएँ पैदा की।

(इ) घरेलू उद्यमियों को विदेशी कम्पनियों से आर्थिक और तकनीकी सहयोग मिला

(ई) विदेशी तकनीकी के आगमन ने उत्पादकता को बढ़ाया

(उ) रोजगार और सेवाओं के नए क्षेत्रों का अवसर उत्पन्न हुए

(ऊ) आर्थिक विकास दर में वृद्धि

(ए) विदेशी मुद्रा भण्डार में वृद्धि

<u>वैश्वीकरण का भारत पर नकारात्मक प्रभाव</u>

(अ) भारत से प्रतिभा पलायन या ब्रेन ड्रेन की समस्या (ब) गरीबीऔर बेरोजगारी पर निष्प्रभावी

(स) कृषि सब्सीडी में कटौती (द) छोटे एवं लघु उद्योगों का बन्द होना

प्रश्न–डब्लू०टी०ओ० क्या है? डब्लू०टी०ओ० के क्या उद्देश्य हैं? डब्लू०टी०ओ० की क्या खामियाँ हैं?

उत्तर– डब्लू०टी०ओ० विश्व व्यापार संगठन का संक्षिप्त रूप है। यह वैश्विक व्यापार को बढ़ाने के लिए बनाया गया संगठन है।

डब्लू०टी०ओ० के मुख्य उद्देश्य

(अ) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाकर सभी देशों के लिए मुक्त व्यापार को प्रोत्साहन देना

(ब) विश्व में समान, मुक्त, खुले एवं भेदभाव रहित व्यापार को बढ़ावा देना

(स) आयात और निर्यात प्रतिबन्धों को हटाना

डब्लू०टी०ओ० की खामियाँ

(अ) विश्व व्यापार संगठन (डब्लू०टी०ओ०) में विकसित देशों का वर्चस्व

(ब) विकसित देशों द्वारा विश्व व्यापार संगठन का प्रयोग उन क्षेत्रों में वैश्वीकरण लाने के लिए किया जा रहा है जो सीधे से व्यापार से नहीं जुड़े हैं।

(स) विश्व व्यापार संगठन सभी देशों के लिए मुक्त व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए बना परन्तु व्यवहार में यह देखने में आ रहा है कि विकसित देशों ने व्यापार बाधाओं को बनाए रखा है।

प्रश्न– एम०एन०सी० क्या हैं? बहुरराष्ट्रीय निगम कैसे कार्य करते हैं? बहुराष्ट्रीय निगमों के मार्गदर्शक सिद्धान्त कौन से हैं?

उत्तर– एम०एन०सी० का अर्थ बहुराष्ट्रीय निगम है। वह कम्पनी जिसका उत्पादन एक से अधिक देश में फैला है उसे बहुराष्ट्रीय कम्पनी कहते है।

बहुराष्ट्रीय निगम उन देशों या क्षेत्रो मे अपने कार्यालय और उत्पादन केन्द्र स्थापित करते हैं जहाँ श्रम और अन्य संसाधन सस्ते और बाजार से नजदीकी हो। बहुराष्ट्रीय निगम ऐसा उत्पादन की कीमत को कम करने और ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए करती हैं।

बहुराष्ट्रीय निगमों के मार्गदर्शक सिद्धान्त

(अ) सस्ता उत्पादन (ब) उत्पादन केन्द्र की बाजार से नजदीकी (स) सकारात्मक सरकारी नीतियाँ

प्रश्न– एम०एन०सी० अपने उत्पादन का विस्तार किन–२ तरीकों से करती है तथा वह स्थानीय उत्पादकों से कैसे व्यवहार करती हैं?

उत्तर– एम०एन०सी० (बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ) अपने उत्पादन का विस्तार तथा स्थानीय उत्पादकों से व्यवहार विभिन्न तरीकों से करती है। जैसे–

(अ) स्थानीय कम्पनियों के साथ संयुक्त उपक्रम या उत्पादन इकाई की स्थापना

(ब) स्थानीय कम्पनियों को उत्पादन का आदेश एवं अधिकार देकर

(स) स्थानीय कम्पनियों को खरीदना या उनसे प्रतिद्वन्द्विता करना

(द) बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ दुरस्थ स्थानों पर उत्पादन पर बहुतप्रभाव डालती है जिससे सस्ता उत्पादन हो और उनको उत्पादन में मुनाफा हो।

प्रश्न– एम०एन०सी० (बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ) से क्या– क्या लाभ एवं हानियाँ हैं?

उत्तर– एम०एन०सी० (बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ) से लाभ

(अ) विदेशी निवेश और पूँजी की उपलब्धता (ब) विदेशी मुद्रा की उपलब्धता

(स) लघु उद्योगों को बढ़ावा (द) विदेशी व्यापार को प्रोत्साहन और बाजारों का एकीकरण

एम०एन०सी० (बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ) से हानि

(अ) मेजबान देश के लिए हानि और परनिर्भरता (ब) स्थानीय उत्पादकों के लिए हानिकारक

(स) आर्थिक समानता के लिए हानिकारक (द) स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता के लिए हानिकारक

उपभोक्ता अधिकार - ५

<u>अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न</u>

१. एक उपभोक्ता......................

माल और सेवाओं को खरीदता है

२. मिलावट है................

घटिया सामग्री मिलाना

३. उपभोक्ता के शोषण का कारण है

कम शिक्षा

४. सार्वजनिक वितरण प्रणाली का कार्य नहीं है

उपभोक्ता निवारण

५. सी०ओ०पी०आर०ए० (कोपरा) संक्षिप्त रूप है

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम

६. भारत में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है

२४ दिसम्बर

७. आई०एस०ओ० संक्षिप्त रूप है

अन्तरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन

८. सूचना का अधिकार किस वर्ष पारित किया गया

२००५

<u>लघु उत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न.१– भारत में सी०ओ०पी०आर०ए० (कोपरा) क्यों अधिनियमित किया गया?

उत्तर– सी०ओ०पी०आर०ए० (कोपरा) का अर्थ उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम १९८६ से है। भारत में सी०ओ०पी०आर०ए० (कोपरा) निम्न कारणों से अधिनियमित किया गया है–

(अ) व्यापारी कम्पनियों पर दबाव डालने के लिए

(ब) अनुचित व्यापारिक गतिविधियों को सुधारने के लिए

(स) उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए

प्रश्न.२– उपभोक्ता संरक्षण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– उपभोक्ता संरक्षण का अभिप्राय उपभोक्ताओं को व्यवसायियों की अनुचित तरीकों और कदाचारों से संरक्षण करना है। इसको दो समूहों में बाँटा जा सकता है–

(अ) सरकार के उपाय (ब) स्वैच्छिक उपाय

प्रश्न.३– आई०एस०आई०,एगमॉर्क और हॉलमार्क के निशान ग्राहकों को कैसे मदद करते हैं?

उत्तर– ये मानक के चिन्ह उपभोक्ताओं को माल और सेवाओं की खरीद के समय गुणवत्ता का आश्वासन देते हैं। इन मानकों को जारी करने वाली संस्थाएँ इन वस्तुओं के उत्पादकों को इन चिन्हों को इस्तेमाल करने का प्रमाणपत्र उत्पादन का एक निश्चित मानदण्ड पूरा करने पर देती हैं। जिससे गुणवत्ता बनी रहने का आश्वासन रहता है।

प्रश्न.४– मिलावट क्या है?

उत्तर–जब किसी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, बाह्य, अप्राकृतिक, सस्ते पदार्थ को प्राकृतिक या शुद्ध खाद्य पदार्थ में मिला दिया जाय तो उसे मिलावट कहते हैं। मिलावट मानवता के विरुद्ध अपराध है।

प्रश्न.५– भारत में मानकीकरण का प्रमाणपत्र देने वाले कौन से संस्थानों के नाम बताएँ।

उत्तर– (अ) भारतीय मानक ब्यूरो और भारतीय मानक संस्थान (ब) एगमॉर्क (स) हॉलमार्क

आई०एस०ओ० का अर्थ अन्तरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन है इसका मुख्यालय जिनेवा में हैं। यह संगठन अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर मानकीकरण का कार्य करती है।

प्रश्न.६– उपभोक्ता जागरुकता की क्यों आवश्यकता है?

उत्तर– उपभोक्ता जागरुकता की आवश्यकता है क्योकि वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादक और वितरक अपने स्वार्थ में लाभ कमाने के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं। ये लाभ कमाने के लिए ऊँची कीमतों की माँग, कम तौल और मिलावट जैसे कार्यों में लिप्त हो जाते हैं जिससे उपभोक्ताओं को धन और स्वास्थ्य दोनों का नुकसान होता है।

प्रश्न.७– उपभोक्ता शोषण क्या है?

उत्तर–जब किसी उपभोक्ता को वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादक और वितरक अपने स्वार्थ में लाभ कमाने के लिए ऊँची कीमतों की माँग, कम तौल और मिलावट द्वारा धोखा देते है तो उसे उपभोक्ता शोषण कहते हैं।

प्रश्न.८– उपभोक्ता शोषण के विभिन्न रुप कौन से हैं?

उत्तर– उपभोक्ता शोषण के विभिन्न रुप

(अ) कम वजन (ब) दोषपूर्ण माल (स) खराब सुविधाएँ (द) अशुद्ध उत्पाद (इ) ऊँची कीमत

(ई) नकली सामान (ए) झूठी या अधूरी जानकारी, उपभोक्ताओं को गुमराह करना

(ऐ) उपकरणों में सुरक्षा का अभाव (उ) मिलावट (ऊ) बड़ी कम्पनियों द्वारा बाजार में हेरफेर

प्रश्न.९– उपभोक्ताओं के शोषण के लिए कौन से कारक जिम्मेदार हैं?

उत्तर– उपभोक्ताओं के शोषण के लिए जिम्मेदार कारक

(अ) सीमित जानकारी–उपभोकत्ताओं को माल और सुविधाओं के क्रय के लिए सही निर्णय लेने के लिए उत्पादों के उचित मूल्य, गुण्वत्ता तथा विकल्पों जैसी अन्य जानकारी की आवश्यकता होती है। इन जानकारियों के अभाव में उपभोक्ता का शोषण होता है।

(ब) सीमित आपूर्ति–जब माल और सुविधाओं की आपूर्ति मांग की तुलना में कम है तब यह ऊँची कीमतों, मिलावट और जमाखोरी जैसी प्रवृतियों को जन्म देती है जिससे ग्राहक का शोषण होता है।

(स)सीमित प्रतियोगिता–जब माल और सुविधाओं के उत्पादन और वितरण का नियंत्रण कुछ लागों तक ही सीमित हो तो ऐसे में उपभोक्ता का शोषण होता है।

(द) कम साक्षरता– कम साक्षरता और निरक्षरता के कारण लोगों में जानकारी का अभाव होता है जिसके कारण ऐसे उपभोक्ताओं का शोषण होता है।

प्रश्न.१०– उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कौन से उपाय किए गए हैं?

उत्तर– उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए तीन उपाय किए गए हैं :

(अ) विधायी उपाय– इसके अन्तर्गत उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम १९८६ और अन्य ऐसे कानून आतें हैं जो ग्राहकों की रक्षा के लिए बनाए गये हैं। इसके अन्तर्गत त्री–स्तरीय उपभोक्ता अदालतें भी आती हैं जो जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की गयी हैं।

(ब) प्रशासनिक उपाय– इसके अन्तर्गत वे सभी प्रशासनिक उपाय शामिल हैं जो उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए किए जाते हैं। इसके अन्तर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली की स्थापना तथा अन्न और मिट्टी के तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं का सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा वितरण करना शामिल है। इसके अन्तर्गत खाद्य निरीक्षकों की नियुक्ति तथा समय–समय पर अधिकारियों द्वारा सेवाओं का निरीक्षण करना शामिल है।

(स) तकनीकी उपाय– इसके अन्तर्गत वे सभी तकनीकी उपाय शामिल हैं जो उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए किए जाते हैं। इसके अन्तर्गत वस्तुओं और सेवाओं का विभिन्न मानको द्वारा मानकीकरण करना शामिल हैं। जैसे– खाद्य वस्तुओं का एगमॉर्क, आभूषणों का हालमॉर्क, विद्युत और औद्योगिक सामानों का भारतीय मानक ब्यूरो अथवा आई०एस० आई० द्वारा मानकीकरण ।

प्रश्न ११– उपभोक्ताओं के कुछ कर्त्तव्यों को बताएँ ।

उत्तर– (अ) भारतीय मानक ब्यूरो अथवा आई०एस० आई०, एगमॉर्क अथवा हालमॉर्क द्वारा मानकीकृत सामानों की खरीद करना और गारंटी और वारण्टी कॉर्ड तथा उचित रसीद की माँग करना।

(ब) उपभोक्ताओं द्वारा क्रय की गयी वस्तुओं और सेवाओं की उचित रसीद की माँग करना ।

(स) उपभोक्ताओं को उपभोक्ता समूहों या मंचों का निर्माण करना चाहिए।

(द) उपभोक्ताओं को अपने अधिकार और कर्तव्यों का ज्ञान होना चाहिए।

(इ) वस्तुओं और सेवाओं की खरीददारी के समय ग्राहकों को उचित गुणवत्ता का ध्यान रखना चाहिए तथा उसके विक्रय मूल्य, माप–तौल और एक्सपायरी तिथि को भली प्रकार जाँच लेना चाहिए।

प्रश्न.१२– उपभोक्ता शिकायत मंच क्या है?

उत्तर– उपभोक्ता शिकायत मंच उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए बनाए गयी गैर सरकारी स्वैच्छिक संस्थाएँ हैं। इन उपभोक्ता शिकायत मंचों की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं–

(अ) उपभोक्ताओं को उपभोक्ता अदालतों में मामलों को ले जाने के लिए मार्गदर्शन करना

(ब) उपभोक्ता अदालतों में उपभोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करना

(स) उपभोक्ताओं में जागरुकता फैलाना तथा लेख लिखना और प्रदर्शनियों का आयोजन करना

प्रश्न.१३– सार्वजनिक वितरण प्रणाली के क्या कार्य हैं?

उत्तर– सार्वजनिक वितरण प्रणाली के कार्य हैं :

(अ) जमाखोरी पर नियंत्रण (ब) कालाबाजारी रोकना

(स) व्यापारियों द्वारा दाम से अधिक माँगने पर नियंत्रण

(द) गरीब लोगों को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति

(इ) पूरे देश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखना

(ई) खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की वर्षभर आपूर्ति बनाए रखना

(ए) मूल्यों पर नियंत्रण

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
समेकित मूल्यांकन
२०१५-१६

हलप्रश्नपत्र

विषय– सामाजिक विज्ञान कक्षा– दसवीं
समय– 3 घण्टे अधिकतम अंक–90

सामान्यनिर्देश:

1. प्रश्न पत्रमें 3*0* प्रश्न है.सभी प्रश्न अनिवार्य हैं|
2. प्रत्येक प्रश्न के निशान के साम ने अंक दिए गए हैं |
3. प्रश्न संख्या 1 से *8* **अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न** हैं प्रत्येक प्रश्न1अंक का हैं|
4. प्रश्न*9* से 2*0*, 3 अंकके हैं. इन सवालों के जवाब 80 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए|
5. प्रश्न*21* से *28*, *5* अंकके हैं . इन सवालों के जवाब 100 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए|
6. प्रश्न संख्या 29 भूगोल से 3 अंक का मानचित्र आधारित सवालहै .प्रश्न संख्या 30 इतिहास से 3 अंक का मान चित्र आधारित सवाल है|

1.**जर्मनी के एकीकरण में निम्न राज्यों में से किसने नेतृत्व किया?** १

प्रशिया

अथवा

वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक कौन थे?

हो.ची मिन्ह

2.कौन सी घटना ने गांधीजी को असहयोग आंदोलन रोकने के लिए बाध्य किया ? १

चौरी– चौरा

3. कोलार की स्वर्ण खान किस राज्य में है १

कर्नाटक

4. ***पूर्व-पश्चिम गलियारा*** राजमार्ग के टर्मिनस कौन से हैं १

सिलचर और पोरबन्दर

5. FEDECOR किस देश से संबध रखता है? १

बोल्विया

6. 'लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए शासन है' यह कथन किसके द्वारा कहा गया? १

अब्राहम लिंकन

7. करेंसी मुद्रा जारी की जाती है : १

भारतीय रिजर्व बैंक

8. सी०ओ०पी०आर०ए० (कोपरा) संक्षिप्त रूप है १

उपभोक्तासंरक्षणअधिनियम

9.**इटली के एकीकरण के विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर-1830 में जी मैजिनी ने इटली के एकीकरण करने के लिए यंग इटली नामक संस्था की स्थापना की प्रारंभिक जटिलताओं के बाद राजा विक्टर इमैनुएल –II ने यु) द्वारा इटली के राज्यों को एक करने का बीडा उठाया उन्हें मुख्यमंत्री कैवूर ने पूरा सहयोग दिया। उसने कूटनीति द्वारा फ्रांस के साथ 1859 में संधि की और आस्ट्रिया की सेना को हराया अब गैरीवाल्डी ने दक्षिणी इटली की ओर प्रस्थान किया और बुबो वंश से उन्हें मुक्त कराया। 1861 में एकीकरण के पूर्ण होने से पूर्व ही विक्टर इमैनुएल -II को संयुक्त इटली का राजा घोषित कर दिया गया।

अथवा

फ्रांसीसी वियतनाम के लोगो को क्यों शिक्षित करना चाहते थे? ऐसा करने के पीछे उनका भय क्या था?

उत्तर- वियतनामियों के सभ्य बनाकर वे स्थानीय श्रम शक्ति की आवश्यकता पूरा करना चाहते थे। लेकिन उन्हें भय था कि शिक्षित होने पर वे साम्राज्यवादी प्रभुत्व को लेकर प्रश्न करना शुरू कर देंगे। फ्रांसीसी नागरिक जो वियतनाम में रह रहे थे उन्हें डर था कि वे अपनी नौकरी खो दगे।

10. गांधीजी के सत्याग्रह के विचार से क्या तात्पर्य था ?

उत्तर : इसका अर्थ यह था कि अगर आपकाउद्देश्य सच्चा है, यदि आपका संघर्ष अन्याय के ख़िलाफ है तो उत्पीड़क से मुकाबला करने के लिए आपको किसी शारीरिक बल की आवश्यकता नहींहै। प्रतिशोध की भावना या आक्रमकता का सहारा लिए बिना सत्याग्रहीकेवल अहिंसा के सहारे भी अपने संघर्ष में सफल हो सकता है। इसके लिएदमनकारी शत्रु की चेतना को झिझोड़ना चाहिए। उत्पीड़क शत्रु को ही नहींबल्कि सभी लोगों को अहिसा के जरिए सत्य को स्वीकार करने पर विवश करने की बजाय सच्चाई को देखने और सहज भाव से स्वीकार करने के लिए प्रेरितकिया जाना चाहिए। इस संघर्ष में अंततः सत्य की ही जीत होती है। गाधीजीका विश्वास था की अहिसा का यह *धर्म* सभी भारतीयों को एकता के सूत्रमें बांध सकता है।

11. **साइमन कमीशन क्या था ? भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसका विरोध क्यों किया था ?**

उत्तर: ब्रिटेन की नयी टोरी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एकवैधानिक आयोग का गठन कर दिया। राष्ट्रवादी आंदोलन के जवाब में गठित किएगए इस आयोग को भारत में संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैलीका अध्ययन करना था और उसके बारे में सुझाव देने थे। इसआयोग में एक भी भारतीय सदस्य नहीं था सारे अंग्रेज थे।

12. खनन कार्य को ' किलर उद्योंग ' क्यों कहते है ? तीन कारण लिखे । ३

उत्तर : (क) अधिक जोखिम पूर्ण कार्य

(ख) जहरीली गैसों से स्वास्थ्य पर भयंकर प्रभाव

(ग) कोयले की खानों में छत ढहने, आग लगने का भय

(घ) आन्तरिक भूमिजल संसाधानों का प्रदूषित होना ।

13. "औद्योगीकरण और शहरीकरण साथ-साथ चलते हैं "-व्याख्या कीजिए ३

उत्तर- (अ) शहर उद्योगों को बाजार के साथ- साथ बैंकिंग, बीमा, परिवहन, श्रम और वित्तीय सलाह जैसी सेवाएँ प्रदान करता है।

(ब) औद्योगिक कामगारों को घरों और अन्य सुविधाओं की आवश्यकता पड़ती है जिससे छोटे शहर बड़े शहरों में तब्दील हो जाते हैं ।

14. प्राकृतिक गैस और बायोगैस में अंतर बताइए ? ३

उत्तर : प्राकृतिक गैस :

१. धरातल की चट्टानों की परतों में यह अत्यंत ज्वलनशील गैस है ।

२. यह व्यापारिक उर्जा है ।

३. पेट्रोलरासायनिक उद्योग में यह कच्चें माल के रूप में प्रयुक्त होती है ।

४. पाईप द्वारा ये एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाई जाती है ।

बायोगैस

१. यह पशु के गोबर एवं सड़ी-गली पतियों द्वारा तैयार किया जाता है ।

२. यह आणविक उर्जा है ।

३. यहबड़े टैंक में तैयार की जाती है ।

४. यह ग्रामीण क्षेत्र में ही उपयोग में ली जाती है ।

15. राजनीतिक दलों की विशेषताएं लिखिए। ३

उत्तर (1) यह एक लोगों का ऐसा समूह है जो चुनाव लड़ने और सरकार में राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करता है।

(2) समाज के सामूहिक हित को ध्यान में रखकर यह समूह कुछ नीतियां और कार्यक्रम तय करता हैं।

(3) वे लोगों का सर्मथन पाकर सर्मथन पाकर चुनाव जीतने के बाद उन नीतियों को लागू करने का प्रयास करते हैं।

(4) किसी दल की पहचान उसकी नीतियों और उसके सामाजिक आधार से तय होती है।

16. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी, जिम्मेदारी और वैध सरकार का गठन करता है? ३

उत्तर (1) लोकतंत्र में लोगों के द्वारा चुनी गई सरकार ही उन पर शासन करती है।

(2) चुने हुए व्यक्ति सरकार बनाते हैं एवं नीतियों पर फैसले लेते हैं, तथा सरकार चलाते हैं।

(3) लोगों के द्वारा चुनी हुई सरकार उनके प्रति उत्तरदायी होती है।

17. लोकतंत्र की तीन चुनौतियों का वर्णन करें? ३

उत्तर (1) स्थापना की चुनौती:- जिन देशो में लोकतांत्रिक सरकार नहीं है उनमें लोकतंत्र की स्थापना करना।

(2) फैलने की चुनौती :- जिनमें लोकतंत्र स्थापित है उन्हें लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती का सामना करना पड़ता है।

(3) मजबूत करने की चुनौती:- ये कई देशों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौती है। यह मजबूत करने वाली चुनौती है।

18. व्यापार अवरोध क्या है? सरकार व्यापार अवरोध का किस प्रकार प्रयोग कर सकती है? ३

उत्तर– व्यापार पर किसी भी प्रकार का प्रतिबन्ध व्यापार अवरोध है।

सरकार व्यापार प्रतिबन्धों का इस्तेमाल कर वस्तुओं के आयात और निर्यात को नियमित कर सकती है। साथ ही कौन सा सामान कितनी मात्रा में आयात और निर्यात किया जा सकता है उसको नियमित कर सकती है।

19. आई०एस०आई०,एगमॉर्क और हॉलमार्क के निशान ग्राहकों को कैसे मदद करते हैं? ३

उत्तर– ये मानक के चिन्ह उपभोक्ताओं को माल और सेवाओं की खरीद के समय गुणवत्ता का आश्वासन देते हैं। इन मानकों को जारी करने वाली संस्थाएँ इन वस्तुओं के उत्पादकों को इन चिन्हों को इस्तेमाल करने का प्रमाणपत्र उत्पादन का एक निश्चित मानदण्ड पूरा करने पर देती हैं। जिससे गुणवत्ता बनी रहने का आश्वासन रहता है।

20. उपभोक्ता जागरुकता की क्यों आवश्यकता है? ३

उत्तर– उपभोक्ता जागरुकता की आवश्यकता है क्योंकि वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादक और वितरक अपने स्वार्थ में लाभ कमाने के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं। ये लाभ कमाने के लिए ऊँची कीमतों की माँग, कम तौल और मिलावट जैसे कार्यों में लिप्त हो जाते हैं जिससे उपभोक्ताओं को धन और स्वास्थ्य दोनों का नुकसान होता है।

21.उन तरीकों का वर्णन करो जिसके द्वारा जर्मनी का एकीकरण हुआ।५

उत्तर-1848 में संविधानिक राजतंत्र की स्थापना का प्रयास असफल रहा। इसके बाद यह कार्य प्रशिया के मुख्यमंत्री बिस्मार्क द्वारा लिया गया उन्होंने रक्त और लौह नीति का पालन किया और सात वर्षों में डेनमार्क आस्ट्रिया और फ्रांस से तीन युद्ध किए ये राष्ट्र पराजित हुए। 1871 में जर्मनो के एकीकरण का कार्य पूरा हुआ और प्रशिया के राजा विलियम -1 को जर्मनी का सम्राट बनाया।

अथवा

हो.ची.मिन्हके नेतृत्व में वियतनामियों ने अपने सीमित संसाधानों का प्रयोग संयुक्त राज्य अमेरिका के विरूद्व युद्ध कैसे किया?

उत्तर- सड़कों और फूटपाथों का प्रयोग मनुष्यों और सामान को उत्तर से दक्षिण ले जाने के लिए किया गया। ट्रक से सामान का वितरण कराया गया लेकिन उनहें महिला कुलियों द्वारा अपनी पीठ पर लाया गया। इस मार्ग पर थोडे-थोडे फासले **पर सैनिक अड्डों और अस्पतालों की व्यवस्था की गई।**

22. **भारत के विभिन्न क्षेत्र में गांधी जी ने सत्याग्रह को कैसे संचालित किया।५**

उत्तर– 1. 1917 में बिहार के चंपारन में शोषित बागान व्यवस्था के खिलाफ किसानों को प्रेरित किया

2. गुजरात के **खेड़ा** में किसानों के पक्ष में 1918 में सत्याग्रह

3. 1918 में अहमदाबाद में सूती मिल श्रमिकों के आंदोलन के लिए गए।

4. 1919 में रौलट एक्ट के विरूद्ध सत्याग्रह शुरू किया

23. चीनी उद्योग उत्तर से दक्षिण की ओर स्थानान्तरित होने के कारणों का उल्लेख कीजिए। ५

उत्तर– उत्तर भारत चीनी उत्पादन का प्रमुख केन्द्र माना जाता है परन्तु धीरे–धीरे यह दक्षिण की ओर खिसक रहा है। इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं–

(अ) दक्षिण राज्यों के गन्ने में चीनी की मात्रा अधिक होती है।

(ब) दक्षिण राज्यों की जलवायु गन्ने की खेती के लिए अधिक उपयुक्त है

(स) दक्षिण राज्यों में निर्यात की सुविधा बेहतर है

(द) दक्षिण राज्यों में सहकारी चीनी मिलों का प्रबंधन उत्तरी राज्यों से अच्छा है

(इ) प्रायद्वीपीय भारत की जलवायु गन्ने की पेरायी के लिए अधिक उपयुक्त है

24. भारत में रेल परिवहन की क्या विशेषताएँ हैं? ५

उत्तर–(अ) भारी माल और सामग्री के यातायात के लिए सबसे उपयोगी परिवहन

(ब) लम्बी दूरी के लिए वायु और सड़क परिवहन से सस्ता साधन

(स) लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान करता है

(द) भारत सरकार का यह सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा उपक्रम है

(इ) भारत में सवारी और माल ढुलाई का सबसे मुख्य साधन

(ई) रेलवे माल ढुलाई, व्यापार, तीर्थ और दर्शनीय स्थलों की यात्रा जैसे बहु आयामी कार्यों को अन्जाम देता है

(व) यह लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है

(द) यह लंबी दूरी की यात्रा के लिए आरामदायक सेवा प्रदान करता है

(य) यह कृषि और उद्योगों के विकास को गति प्रदान करता है

25. क्या दबाव समूह और आंदोलन के प्रभाव लोकतंत्र में सकारात्मक होते हैं ? ५

उत्तर हाँ, शासकों के ऊपर दबाव डालना लोकतंत्र में कोई अहित कर गतिविधि नहीं बशर्ते इसका अवसर सबको प्राप्त हो।

(1)लोकतांत्रिक शासन को समाज के हर हिस्से की तरफ ध्यान देना चाहिए ना कि किसी एक हिस्से पर

(2)ये समूह लोगों को अपनी मांगो के लिए सरकार के खिलाफ आवाज उठाने में मदद करते हैं।

(3)ये दबाव समूह अलग-अलग विचारों वाले समाज के विभिन्न वर्गों की माँगो के बीच संतुलन बनाए रखते है।

(4)दबाव समूह और आंदोलनों के कारण विश्व में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुई हैं ।

26. **'लोकतंत्रीय सरकार अन्य सरकारों से बेहतर है।' स्पष्ट करो। अथवा लोकतंत्र के गुणों को स्पष्ट करो।** ५

उत्तर लोकतंत्र सभी प्रकार की सरकारों में श्रेष्ठ मानी जाता है एवं लोकतंत्र को आज अनेक देशों ने भी अपना लिया है। लोकतंत्र के निम्नलिखित लाभ हैं:-

(1) लोगों के हितों की सुरक्षा की गारंटी देता है।

(2) समानता के सिद्धांत पर आधारित

(3) प्रशासन में उत्तरदायित्व की भावना होती है।

(4) लोगों को राजनीति का ज्ञान होता है।

(5) विद्रोह को बहुत कम संभावनाऐं होती हैं ।

(6) जनमत पर आधारित

(7) यह लोगों को एक अच्छा नागरिक बनने में सहायक होता है।

(8) यह सामाजिक विविधताओं एवं अंतरों का समावेश करता है।

27. **वैश्वीकरण क्या है? वैश्वीकरण का भारत पर क्या प्रभाव** पड़ा **है?** ५

उत्तर–दो या दो से अधिक देशों के मध्य बहुराष्ट्रीय निगमों द्वारा व्यापार एवं विदेशी निवेश द्वारा संबन्ध स्थापित करना वैश्वीकरण कहा जाता है।

वैश्वीकरण का भारत पर सकारात्मक प्रभाव

(अ) उत्पाद और सेवाओं को अधिक विकल्प, अच्छी गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उपलब्ध कराता है।

(ब) बहुराष्ट्रीय निगमों का भारत में निवेश बढ़ा है।

(स) शीर्ष भारतीय कम्पनियाँ बहुराष्ट्रीय निगमों के रूप में उभरी हैं।

(द) आई०टी० क्षेत्र की कम्पनियों के लिए नई संभावनाएँ पैदा की।

(इ) घरेलू उद्यमियों को विदेशी कम्पनियों से आर्थिक और तकनीकी सहयोग मिला

(ई) विदेशी तकनीकी के आगमन ने उत्पादकता को बढाया

(उ) रोजगार और सेवाओं के नए क्षेत्रों का अवसर उत्पन्न हुए

(ऊ) आर्थिक विकास दर में वृद्धि

(ए) विदेशी मुद्रा भण्डार में वृद्धि

वैश्वीकरण का भारत पर नकारात्मक प्रभाव

(अ) भारत से प्रतिभा पलायन या ब्रेन ड्रेन की समस्या
(ब) गरीबी और बेरोजगारी पर निष्प्रभावी
(स) कृषि सब्सीडी में कटौती
(द) छोटे एवं लघु उद्योगों का बन्द होना

28. उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कौन से उपाय किए गए हैं? ५

उत्तर– उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए तीन उपाय किए गए हैं :

(अ) विधायी उपाय– इसके अन्तर्गत उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम १९८६ और अन्य ऐसे कानून आतें हैं जो ग्राहकों की रक्षा के लिए बनाए गये हैं। इसके अन्तर्गत त्री–स्तरीय उपभोक्ता अदालतें भी आती हैं जो जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की गयी हैं।

(ब) प्रशासनिक उपाय– इसके अन्तर्गत वे सभी प्रशासनिक उपाय शामिल हैं जो उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए किए जाते हैं। इसके अन्तर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली की स्थापना तथा अन्न और मिट्टी के तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं का सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा वितरण करना शामिल है। इसके अन्तर्गत खाद्य निरीक्षकों की नियुक्ति तथा समय–समय पर अधिकारियों द्वारा सेवाओं का निरीक्षण करना शामिल है।

(स) तकनीकी उपाय– इसके अन्तर्गत वे सभी तकनीकी उपाय शामिल हैं जो उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए किए जाते हैं। इसके अन्तर्गत वस्तुओं और सेवाओं का विभिन्न मानकों द्वारा मानकीकरण करना शामिल हैं। जैसे– खाद्य वस्तुओं का एगमॉर्क, आभूषणों का हालमॉर्क, विद्युत और औद्योगिक सामानों का भारतीय मानक ब्यूरो अथवा आई०एस० आई० द्वारा मानकीकरण ।

29. भारत के मानचित्र पर अंकित करें **1x3=3**

(अ) मध्य प्रदेश की तांबे की खान

(ब) उड़ीसा में स्थित लौह इस्पात कारखाना

(स) तमिलनाडु में स्थित नाभिकीय संयंत्र

30. विश्व के मानचित्र पर अंकित करें: **1x3=3**

(अ)चम्पारण (ब) डांडी (स) कांग्रेस अधिवेशन १९२७

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
समेकित मूल्यांकन
२०१५-१६

अभ्यास प्रश्नपत्र

विषय– सामाजिक विज्ञान कक्षा– दसवीं
समय– 3 घण्टे अधिकतम अंक–90

सामान्यनिर्देश:

1. प्रश्नपत्रमें *30* प्रश्नहै.सभीप्रश्नअनिवार्यहैं|

2. प्रत्येकप्रश्नकेनिशानकेसामनेअंक दिए गए हैं |

3. प्रश्नसंख्या1 से*8***अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न**हैंप्रत्येकप्रश्न1अंक काहैं|

4. प्रश्न*9* से*20*, 3अंकके हैं. इनसवालोंकेजवाब80शब्दोंसेअधिकनहींहोनीचाहिए|

5. प्रश्न*21*से*28*, *5*अंकके हैं . इनसवालोंकेजवाब100शब्दोंसेअधिकनहींहोनीचाहिए|

6. प्रश्नसंख्या29 भूगोलसे3अंककामानचित्र आधारित सवालहै.प्रश्नसंख्या 30 इतिहास से3अंककामानचित्र आधारित सवालहै|

प्र.1 1815मेंस्थापित रूढ़िवादीसरकारों की एक विशेषता लिखो?

या

20 वींसदीकेपहलेदशककेदौरानवियतनाममेंपूरब कीओरजाओआन्दोलनक्यों लोकप्रियहुआ?

प्र.2 13अप्रैल 1919कोजलियांवालाबागमेंशांतिपूर्णभीड़जुटनेपर जनरलडायरनेगोलियाँ क्यों चलाईथी ? 1

प्र.3 भारतमेंमैंगनीजकासबसेबड़ाउत्पादकराज्य है? 1

प्र.4 औद्योगिकक्षेत्र कीस्थापना मेंसबसेप्रमुखकारक है? 1

प्र. 5कौनसा राजनीतिकदलअसम मेंआंदोलनों की देनहै?

प्र. 6सूचनाकाअधिकारकब लागू हुआ ?

प्र.7 2006 में राजनीतिक दलों की संख्या थी -

प्र.8 कोपरा से क्या अभिप्राय है?

प्र.9नेपोलियनकीआचारसंहिताकेमुख्यप्रावधान क्याथे?

या

1868 में वियतनाममेंविद्वानों विद्रोहकेतीनकारणोंकीव्याख्याकीजिए.

प्र.10 गरीबकिसानोंऔरऔद्योगिकमजदूरवर्ग नेअसहयोगआंदोलनकोकैसेदेखा?

प्र.11सत्याग्रह से क्या तात्पर्य है? गांधीजी के द्वारा चलाये गये सत्याग्रहों के नाम लिखों .

प्र.12 ऊर्जासंसाधनोंका क्यामहत्वहै? ऊर्जाकेपारंपरिकऔर गैरपरंपरागतस्रोतों केप्रत्येक के दोउदाहरणदे?

प्र.13 किसी देश मेंविनिर्माणक्षेत्र को आर्थिकविकासकीरीढ़क्योंमानाजाताहै तीनकारण उदाहरणकेसाथ सहित स्पष्टकीजिए.

प्र.13 दक्षिणभारतमें गन्नाउद्योगकेस्थानीयकरणलिएजिम्मेदार तीनकारक को समझाओ?

प्र.14 दबावसमूहक्याहैं? विभिन्नप्रकार केदबावसमूह क्याहैं?

प्र.15 क्या लोकतंत्र वस्तुओं केवितरणऔरअवसरोंकि प्राप्ति मे सहायकहै? आपकेजवाब के लिए तीनउपयुक्ततर्कदीजिए-

प्र.16 "प्रजातंत्रीयसरकारेजवाबदेह,वैधऔरजिम्मेदारहैं", समझाओ 3x1=3

प्र.17 भारतमेंराजनीतिकसुधारोंकेलिएकोईतीनव्यापकदिशानिर्देशसुझाएँ·

प्र.18भारतमेंभूमंडलीकरणको सक्षम बनानेकिसीभीवाले तीन कारकों कावर्णनकरें·

प्र.19 बहुराष्ट्रीयकंपनियाविभिन्नतरीकोंकेमाध्यमसेअन्यदेशोमेंउत्पादन कैसेनियंत्रितकररहेहैं?

प्र.20 COPRAकीमहत्वपूर्णविशेषताएंक्याहैं?

प्र.21फ्रेंचलोगोंकेबीचसामूहिकपहचान बनानेकेलिए क्रांतिकारियोंद्वाराशुरूकी चारउपायोंऔरपद्धतियोंको स्पष्टकीजिए?

या

होआहआआंदोलनकेसंस्थापककौनथा? उनकेयोगदानका तीनउदाहरणोंसहितस्पष्टकीजिए.

प्र.22 "सत्याग्रहकाविचार विश्वासकीशक्तिऔरसत्यकेलिएखोजकीआवश्यकतापरबलदेताहै? ".स्पष्टकीजिए?

प्र.23 हमारेदेशमेंभौगोलिकऔरआर्थिककारकरेलनेटवर्ककेवितरणपैटर्नको कैसेप्रभावितकरतेहैं?

उदाहरणसहितस्पष्टकीजिए.

प्र.24 उद्योगों को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करों|

प्र.25 आधुनिकलोकतंत्रराजनीतिकदलोंकेबिनाअस्तित्व क्यों नहींकरसकतेहैं ? कोईचारकारणस्पष्टकीजिए·प्र.26 लोकतंत्र के सामने कौन - कौन सी चुनौतियाँ हैं ? वर्णन करों

प्र.27 बहु राष्ट्रीय निगम किस तरह अपने उत्पादन का विस्तार करती हैं? स्पष्ट करों

प्र.28 भारतमेंऔपचारिकऔरअनौपचारिकक्रेडिटकेस्रोतकेबीचअंतर स्पष्ट कीजिए?

प्र.29भारत के मानचित्र पर अंकित करें **1x3=3**

(अ) मध्य प्रदेश की तांबे की खान

(ब) उड़ीसा में स्थित लौह इस्पात कारखाना

(स) तमिलनाडु में स्थित नाभिकीय**संयंत्र**

प्र.30विश्वके मानचित्र पर अंकित करें: 1x3=3

(अ)**चम्पारण** (ब) **डांडी** (स) **कांग्रेस अधिवेशन १९२७**